PRGI Reg. No. : CTHIN/25/A1911

हिन्दी दैनिक

लोकतंत्र प्रहरी

● वर्ष-01 ● अंक- 215 ● भिलाई, मंगलवार 03 मार्च 2026 ● हिन्दी दैनिक ● पृष्ठ संख्या-8 ● मूल्य - 2 रुपया ● संपादक- संजय तिवारी, मो. 9200000214

संक्षिप्त समाचार

गिग वर्कर्स के लिए जल्द बनेगा नेशनल सोशल सिक्योरिटी बोर्ड, मिलेगा कर्मचारी का दर्जा

मुंबई। गिग वर्कर्स के लिए जल्द नेशनल सोशल सिक्योरिटी बोर्ड बनेगा। महाराष्ट्र के श्रम मंत्री आकाश फंडकर ने शनिवार को कहा कि केंद्र सरकार ने गिग और प्लेटफार्म कामगारों के लिए सामाजिक सुरक्षा का दायरा बढ़ाने के लिए सोशल सिक्योरिटी कोड पेश किया है। जिसमें गिग वर्कर्स के कल्याण के लिए नेशनल सोशल सिक्योरिटी बोर्ड गठित करने का प्रविधान है। मंत्री ने विधानसभा को जानकारी दी कि यह बोर्ड गिग वर्कर्स को स्वास्थ्य देखभाल, बीमा और पारिवारिक कल्याण लाभ प्रदान करेगा। केंद्र ने सभी राज्यों को कोड के प्रविधानों का पालन करने और लागू करने का निर्देश दिया है। मंत्री ने विधानसभा में प्रश्न के उत्तर में कहा, गिग और प्लेटफार्म कामगारों को कभी भी श्रमिकों का दर्जा नहीं मिला और उन्हें डिलीवरी आधारित भुगतान के साथ व्यापारिक भागीदार माना गया। पहली बार सामाजिक सुरक्षा कोड ने गिग और प्लेटफार्म कामगारों की स्थिति को परिभाषित किया है।

होली से पहले सख्त मोड में यूपी प्रशासन, मुख्य सचिव एसपी गोयल के कड़े निर्देश

लखनऊ। होली पर्व को शांतिपूर्ण और सुरक्षित माहौल में संपन्न कराने के लिए उत्तर प्रदेश सरकार ने प्रशासनिक मशीनरी को अलर्ट मोड पर डाल दिया है। मुख्य सचिव एसपी गोयल ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए सभी मंडलायुक्तों, जिला धिकारियों और वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक कर स्पष्ट निर्देश दिए कि किसी भी जनपद में अवैध या जहरीली शराब के सेवन से कोई दुर्घटना न हो। संवेदनशील जिलों में विशेष सतर्कता और सघन प्रवर्तन कार्रवाई सुनिश्चित करने को कहा गया है। मुख्य सचिव एसपी गोयल ने शनिवार को उच्च स्तरीय समीक्षा बैठक की। वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से आयोजित इस बैठक में सभी मंडलायुक्त, जिलाधिकारी और वरिष्ठ पुलिस अधिकारी जुड़े। मुख्य सचिव ने दो टूक कहा कि किसी भी जिले में अवैध मदिरा के सेवन से कोई अप्रिय घटना नहीं होनी चाहिए। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि अवैध एवं जहरीली शराब के उत्पादन और बिक्री पर पूरी तरह रोक लगाई जाए।

पाकिस्तान में महासंग्राम : खामेनेई की मौत पर कराची से पाक तक भड़की हिंसा

अब तक 35 निर्दोष नागरिकों की मौत,हालात चिंताजनक

नई दिल्ली/ एजेंसी

आज की सुबह पाकिस्तान के कई शहरों के लिए मातम और चीख-पुकार लेकर आई है क्योंकि ईरान के सर्वोच्च नेता खामेनेई की मौत की खबर ने यहां नफ़रत की आग लगा दी है। लोग भारी संख्या में सड़कों पर उतर आए हैं और सुरक्षाबलों के साथ उनकी हिंसक झड़पें पूरी दुनिया को डरा रही हैं। इस बेहद तनावपूर्ण माहौल में आम नागरिकों की जान जा रही है और चारों तरफ केवल धुआं, आंसू और दहशत का मंजर ही नजर आ रहा है। यह एक ऐसी मानवीय त्रासदी है जिसने न केवल सीमा पार के रिश्तों को बल्कि आंतरिक सुरक्षा और शांति को भी दांव पर लगा दिया है। ईरान के सुप्रीम लीडर अयातुल्ला अली खामेनेई की मौत के विरोध में पाकिस्तान के कराची से लेकर गुलाम कश्मीर तक के शहरों में जबरदस्त विरोध प्रदर्शन हो रहे हैं। इस बेकाबू होती हिंसा में अब तक 35 निर्दोष नागरिकों की जान जा चुकी है जबकि 100 से अधिक लोग गंभीर रूप से घायल बताए जा रहे हैं। स्थानीय रिपोर्टों के अनुसार सुरक्षा बलों और प्रदर्शनकारियों के बीच हुई सीधी भिड़ंत ने हालात को और भी ज्यादा विस्फोटक और चिंताजनक बना दिया है। पाकिस्तानी मीडिया के अनुसार सबसे ज्यादा तबाही कराची में देखी गई है जहां हिंसक प्रदर्शनों के दौरान अब तक 16 लोगों की मौत की पुष्टि हो चुकी है। इसके अलावा गिलगित में 7, स्कर्दू में 6 और राजधानी इस्लामाबाद में भी 6 आम नागरिकों ने सुरक्षा बलों की कार्रवाई में

अपनी जान गंवाई है। सूत्रों का कहना है कि ये सभी नागरिक झड़पों के दौरान सुरक्षा बलों और वहां तैनात अमेरिकी मरीन सुरक्षा टुकड़ी की कार्रवाई में हताहत हुए हैं। बिगड़ते हालातों को देखते हुए पंजाब सरकार ने प्रांत के सभी सरकारी अस्पतालों में तत्काल प्रभाव से इमरजेंसी घोषित कर दी है ताकि घायलों को तुरंत उपचार मिल सके। हालांकि कुछ गोपनीय सूत्रों का दावा है कि प्रशासन ने अस्पतालों को मौतों के वास्तविक आंकड़े मीडिया के सामने जारी न करने के सख्त निर्देश दिए हैं। शिया आबादी वाले संवेदनशील इलाकों में एहतियातन भारी पुलिस बल की तैनाती की गई है ताकि किसी भी तरह की और अधिक हिंसा को समय रहते रोका जा सके। पाकिस्तान में मौजूद अमेरिकी दूतावास ने अपने नागरिकों के लिए कड़ी सुरक्षा एडवाइजरी जारी की है और उन्हें भीड़-भाड़ वाले और संवेदनशील इलाकों से दूर रहने की हिदायत दी है। दूतावास कराची, लाहौर, इस्लामाबाद और पेशावर में हो रहे हिंसक प्रदर्शनों और घेराव के ऐलान पर पल-पल की पैनी नजर रख रहा है। अमेरिकी नागरिकों को सलाह दी गई है कि वे स्थानीय समाचारों से लगातार अपडेट रहें और अपनी सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए सभी जरूरी उपायों का पालन करें।

अमेरिका-इजराइल की चपेट में आए ईरान के 131 शहर, हमले में गई 555 लोगों की जान

ईरान और इजराइल-अमेरिका के बीच अभी युद्ध चल रहा है. ईरान ने खाड़ी के कई देशों पर भी हमला किया है. इस युद्ध में मारे जाने वाले लोगों के आंकड़ों की जानकारी ईरान की तरफसे दी गई है. ईरान का कहना है कि ईरान में स–इजराइली हमलों में अब तक 555 लोग मारे गए हैं. एपी के मुताबिक, ईरानी रेड क्रिसेंट सोसाइटी ने सोमवार को कहा कि ईरान को निशाना बनाकर किए गए स–इजराइली एयरस्ट्राइक कैंपेन में इस्लामिक रिपब्लिक में अब तक कम से कम 555 लोग मारे गए हैं. सोसाइटी ने आगे कहा कि इस युद्ध में अब तक 131 शहरों पर हमला हुआ है. ईरान ने कहा कि अफ़सोस की बात है कि हमारे 555 हमवतन मारे गए हैं.

सीएम ममता ने ईसी पर लगाए गंभीर आरोप

भाजपा की मदद के लिए काटे गए मतदाताओं के नाम-ममता

कोलकाता। एजेंसी

पश्चिम बंगाल में विधानसभा चुनाव से पहले राजनीतिक माहौल गर्म होता जा रहा है। दक्षिण 24 परगना में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने भाजपा की परिवर्तन यात्रा की शुरुआत करते हुए तृणमूल कांग्रेस सरकार पर तीखा हमला बोला। इसके कुछ ही घंटों बाद मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने कोलकाता में जवाबी हमला करते हुए भाजपा और चुनाव आयोग दोनों पर गंभीर आरोप लगाए। राज्य में अब चुनाव से पहले राजनीतिक बयानबाजी और आरोप-प्रत्यारोप तेज हो गए हैं। अमित शाह ने अपनी

रैली में ममता बनर्जी सरकार पर तुष्टीकरण की राजनीति करने का आरोप लगाया और दावा किया कि इस बार चुनाव में तृणमूल कांग्रेस की विदाई तय है। भाजपा नेताओं ने कहा कि परिवर्तन यात्रा राज्य में राजनीतिक बदलाव लाने के लिए निकाली गई है। रैली में भाजपा अध्यक्ष नितिन नवीन और केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने भी राज्य सरकार को कानून व्यवस्था और विकास के मुद्दे पर घेरा। मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने चुनाव आयोग पर सीधा हमला बोलते हुए आरोप लगाया कि विशेष गहन पुनरीक्षण प्रक्रिया के दौरान बड़ी संख्या में असली मतदाताओं के नाम जानबूझकर हटाए गए हैं। उन्होंने दावा किया कि भाजपा को फायदा पहुंचाने के लिए यह कार्रवाई की गई। ममता बनर्जी ने कहा कि यह लोकतंत्र के लिए चिंताजनक और दुर्भाग्यपूर्ण स्थिति है। ममता बनर्जी ने कहा कि उनके खुद के भवानीपुर विधानसभा क्षेत्र में भी बड़ी संख्या में मतदाताओं के नाम हटाए गए हैं।

राजीव प्रताप रूडी के प्रयास से सबलपुर दियारा को मिली 57.55 करोड़ की स्वीकृति

सारण। बिहार के सारण जिला के सोनपुर प्रखंड के सबलपुर दियारा में सांसद राजीव प्रताप रूडी के प्रयास से बाढ़ से राहत के लिए जल संसाधन विभाग द्वारा 57 करोड़ 55 लाख रुपये की स्वीकृति मिली है। इस स्वीकृति से स्थानीय जनता में खुशी का माहौल है। स्वीकृति मिलने पर सांसद राजीव प्रताप रूडी के निर्देश पर उनका प्रतिनिधि मंडल सांसद प्रतिनिधि राकेश कुमार सिंह, राजीव मुनमुन, मंडल अध्यक्ष दीपक शर्मा, अविनाश शर्मा के नेतृत्व में सबलपुर पहुंचा। स्थानीय लोगों द्वारा गाजे बाजे के साथ अंग वस्त्र और फुल माला से जोरदार स्वागत किया गया।

शरीफ की दोहरी नीति का पर्दाफाश

ईरान के लिए दिखावे के आंसू और कराची में अपनों पर गोलियां

नई दिल्ली/ एजेंसी

ईरान के सुप्रीम लीडर आयतुल्लाह अली खामेनेई की मौत ने पूरे मिडिल ईस्ट के साथ-साथ पड़ोसी देश पाकिस्तान को भी दहला कर रख दिया है। जहां एक तरफ पाकिस्तानी प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ईरान के प्रति अपनी संवेदनाएं व्यक्त कर रहे हैं, वहीं उनके अपने देश में अराजकता का माहौल है। कराची की सड़कों पर उतरे प्रदर्शनकारियों पर हुई कार्रवाई ने सरकार के संवेदनशील चेहरे के पीछे छिपी कड़वी सच्चाई को उजागर कर दिया है। अपनों के खून से सनी

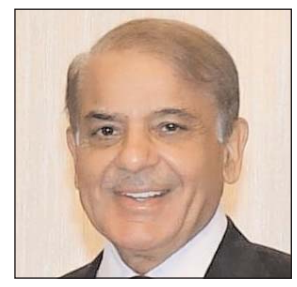

सड़कों के बीच सरकार का विदेशी शोक मनाना अब जनता के बीच तीखी आलोचना और भारी गुस्से का विषय बन गया है। ईरान के सुप्रीम लीडर आयतुल्लाह अली खामेनेई की मौत पर पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने सोशल मीडिया पर गहरा दुख व्यक्त किया है। उन्होंने लिखा कि पाकिस्तान की सरकार और यहां के लोग इस कठिन समय में ईरान के साथ खड़े हैं और इसे एक अपूरणीय क्षति मानते हैं। लेकिन सरकार का यह दुख महज एक कूटनीतिक दिखावा नजर आ रहा है क्योंकि देश के भीतर सुरक्षा के हालात बेहद भयावह और बेकाबू हो चुके हैं। खामेनेई की मौत की खबर फैलते ही पाकिस्तान के कई शहरों में जबरदस्त विरोध प्रदर्शन शुरू हो गए और बड़ी संख्या में लोग सड़कों पर उतर आए। कराची में गुस्साए प्रदर्शनकारियों ने अमेरिकी वाणिज्य दूतावास को फूंकने की कोशिश की।

आईआरजीसी का बड़ा दावा

नेतन्याहू के दफ्तर पर ईरान ने किया हमला

नई दिल्ली। ईरान और इज़रायल के बीच बढ़ते तनाव के बीच ईरान ने बड़ा दावा किया है। ईरानी पक्ष का कहना है कि उसने इज़रायल के प्रधानमंत्री नेतन्याहू के दफ्तर को निशाना बनाते हुए हमला किया है। हालांकि, इज़रायल की ओर से इस दावे पर अभी तक आधिकारिक पुष्टि नहीं की गई है। यह दावा ऐसे समय में सामने आया है जब क्षेत्र में सैन्य गतिविधियां तेज़ हैं और दोनों देशों के बीच बयानबाज़ी भी अपने चरम पर है। ईरान ने कहा है कि यह कार्रवाई इज़रायली हमलों के जवाब में की गई, जबकि इजरायल की ओर से सुरक्षा

व्यवस्था कड़ी कर दी गई है। आईआरजीसी ने बयान जारी कर कहा है कि उसने इज़रायली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के दफ्तर को निशाना बनाया है। साथ ही इज़रायल के वायुसेना कमांडर के आवास पर भी हमले का दावा किया गया है।

केशव प्रसाद मौर्य ने कांग्रेस को बताया गंदी पार्टी, बोले-जिम्मेदारियां निभाने में विफल

लखनऊ । उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने कांग्रेस पर निशाना साधा है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस एक गंदी पार्टी है और इसकी सोच शहरी नक्सलियों जैसी है। कांग्रेस के सांसद और नेता देश के प्रति अपनी जिम्मेदारियों को निभाने में विफल रहे हैं। उन्हें अक्सर यह एहसास भी नहीं होता कि वे क्या कह रहे हैं या वे किन पदों पर हैं। केशव प्रसाद मौर्य ने कहा कि सोनिया गांधी लगातार यह सुनिश्चित करने की कोशिश कर रही हैं कि उनका बेटा कम से कम एक बार देश का प्रधानमंत्री बने। मुझे तो नहीं लगता की राहुल गांधी का नेतृत्व करने लायक हैं।

कोरबा जिले के धमनागुड़ी और खरहरी गांवों में एक अनूठी परंपरा

छत्तीसगढ़ के इन गांवों में होली की अनोखी परंपरा,100 साल से नहीं हुआ होलिका दहन

कोरबा। कोरबा जिले के धमनागुड़ी और खरहरी गांवों में एक अनूठी परंपरा है। यहां कई वर्षों से होलिका दहन नहीं किया जाता है। ग्रामीण रंग गुलाल भी नहीं खेलते हैं। यह परंपरा क्षेत्र में चर्चा का विषय बनी रहती है। ग्रामीणों के अनुसार, पूर्वजों की विशेष मान्यता और आस्था के कारण ऐसा होता है। गांव में लोग शांतिपूर्वक पूजा-अर्चना कर पर्व मनाते हैं। हालांकि, अग्नि प्रज्वलन की परंपरा का पालन नहीं किया जाता। धमनागुड़ी निवासी गनपत सिंह कंवर ने बताया कि लगभग सौ वर्षों से होली नहीं मनाई जाती

है। खरहरी के आसपास के आश्रित गांवों में बुजुर्ग और बैगा देव स्थल में पूजा करते हैं। वे रंग गुलाल चढ़ाते हैं और टीका लगाते हैं। इन गांवों में आज भी होलिका दहन और रंग गुलाल नहीं खेला जाता। आज तक होली के कारण कोई विवाद या मारपीट की स्थिति नहीं बनी है। खरहरी गांव निवासी तामेश्वर सिंह पैकरा ने बताया कि पिछले कई वर्षों से होली नहीं मनाई जाती। नौ साल पहले एक परिवार ने होली मनाने की कोशिश की थी। रंग गुलाल लगाने के कुछ समय बाद उनके घर में आग लग गई। इस घटना के बाद से गांव में होली नहीं खेली जाती है। गांव वालों का मानना है कि होली खेलने से अनहोनी की आशंका बनी रहती है। यदि कोई व्यक्ति गांव से बाहर दूसरी जगह होली खेलकर आता है। उसे गांव में प्रवेश करने से पहले रंग गुलाल धोना पड़ता है। इसके बाद ही वह गांव में प्रवेश कर सकता है। यह नियम आज भी सख्ती से लागू है। गांव में शांतिपूर्ण वातावरण बनाए रखने के लिए यह परंपरा कायम है।

पश्चिमी एशिया के हालत चिंताजनक

पीएम मोदी बोले-बातचीत से निकले समाधान भारत हमेशा से शांति,स्थिरता और संवाद का समर्थक रहा

नई दिल्ली/ एजेंसी

पश्चिमी एशिया में जारी तनाव के बीच प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने हालात को चिंताजनक बताते हुए शांति और संवाद का रास्ता अपनाने की अपील की है। प्रधानमंत्री ने स्पष्ट कहा कि मौजूदा संकट का समाधान केवल बातचीत और कूटनीतिक प्रयासों से ही संभव है। पीएम मोदी ने कहा कि भारत हमेशा से शांति, स्थिरता और संवाद का समर्थक रहा है। उन्होंने दोहराया कि किसी भी तरह के सैन्य टकराव से क्षेत्रीय अस्थिरता बढ़ती है, जिसका असर वैश्विक स्तर पर भी पड़ सकता है। ऐसे में सभी पक्षों को संयम बरतते हुए बातचीत की मेज पर लौटना चाहिए। पीएम मोदी ने यह भी कहा कि विदेशों में रह रहे भारतीय नागरिकों की सुरक्षा भारत सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। सरकार स्थिति पर लगातार नजर बनाए हुए है और जरूरत पड़ने पर हर संभव कदम उठाएगी। उन्होंने भरोसा दिलाया कि भारत सभी संबंधित देशों के साथ संपर्क में है और शांति बहाली के लिए

रचनात्मक भूमिका निभाने को तैयार है। कनाडाई प्रधानमंत्री कार्नी के साथ द्विपक्षीय वार्ता के बाद पीएम मोदी ने बताया कि भारत और कनाडा ने यूरेनियम पर एक ऐतिहासिक समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं। इसके अलावा, नागरिक परमाणु सहयोग को आगे बढ़ाते हुए दोनों देश छोटे मॉड्यूलर रिएक्टरों पर एक साथ मिलकर काम करेंगे। कनाडा के प्रधानमंत्री मार्क कार्नी इस समय भारत आए हुए हैं, मार्क कार्नी की यह यात्रा कई मायनों में खास है। अपनी इस यात्रा के दौरान उन्होंने दिल्ली में पीएम मोदी से मुलाकात की, साथ ही प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मार्क कार्नी के साथ संयुक्त प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित भी किया। कनाडा और भारत के बीच कई समझौतों पर हस्ताक्षर किए गए हैं, जिनमें महत्वपूर्ण खनिजों के क्षेत्र में सहयोग भी शामिल है। असैन्य परमाणु ऊर्जा क्षेत्र में दीर्घकालिक यूरेनियम आपूर्ति पर सहमति बनी है। समझौते के तहत कनाडा, भारत को यूरेनियम की आपूर्ति करेगा। दोनों देश लघु मॉड्यूलर रिएक्टर (एसएमआर) और उन्नत रिएक्टर प्रौद्योगिकी पर भी साथ काम करेंगे। इसके साथ ही दोनों नेताओं ने पश्चिम एशिया के मौजूदा हालात पर भी चर्चा की। प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा, विश्व में जारी कई तनावों पर भारत का रुख स्पष्ट है।

सिद्धारमैया की प्राथमिकता कन्नड़ लोग

प्रह्लाद जोशी बोले-भारतीयों की सुरक्षा पहले प्रतिबद्धता

बंगलूरू। एजेंसी

सिद्धारमैया ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट किया। इसमें उन्होंने कहा, अब तक मिली जानकारी के अनुसारी हवाई क्षेत्र में बाधा आने और उड़ानें रद्द होने के कारण संयुक्त अरब अमीरात (दुबई) में करीब 100 और बहरीन में नौ कन्नड़ लोग फंसे हुए हैं। उन्होंने कहा, हमारी टीमें लगातार संपर्क में हैं, ताकि सही जानकारी जुटाई जा सके और जरूरतमंदों को मदद पहुंचाई जा सके। मुख्यमंत्री ने खाड़ी क्षेत्र में भारतीय दूतावासों के हेल्पलाइन नंबर भी साझा किए। उन्होंने कहा, पश्चिम एशिया में तेजी

से हालात बदल रहे हैं और विदेश में रह रहे हर कन्नड़िगा की सुरक्षा हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है। मुख्यमंत्री ने बताया कि राज्य आपातकालीन संचालन केंद्र (एसईओसी) और सभी जिलों के आपातकालीन संचालन केंद्र (डीईओसी) 24×7 सक्रिय कर दिए गए हैं।

प्रदेश सरकार किसानों को अंतर राशि देकर होली को बनाया यादगार : रुपकुमारी भास्कर

सरायपाली। किसानों की उन्नति और समृद्धि को समर्पित ऐतिहासिक अवसर पर कृषक उन्नति योजना के अंतर्गत आदान सहायता राशि वितरण समारोह एवं वृहद किसान सम्मेलन में जिला पंचायत सभापति महासमुन्द एवं भाजपा जिला मंत्री कुमारी भास्कर शामिल हुई। इस अवसर पर किसानों को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने हेतु आदान सहायता राशि का वितरण किया गया। किसानों के उत्साह और विश्वास ने यह सिद्ध कर दिया कि प्रदेश सरकार कृषि विकास और किसान कल्याण के प्रति पूर्णतः प्रतिबद्ध है। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने 25 लाख से अधिक किसानों को 10,000 करोड़ की अंतर राशि देकर उनकी होली को यादगार बना दिया है। छत्तीसगढ़ का हर किसान आज गर्व महसूस कर रहा है। किसान समृद्ध होगा तो गांव समृद्ध होगा, और गांव समृद्ध होगा तो प्रदेश आत्मनिर्भर बनेगा। इस अवसर पर कार्यक्रम के मुख्य अतिथि लोक सभा सांसद महासमुंद रूपकुमारी चौधरी, लक्ष्मी पटेल, पूर्व विधायक गण, सभी मंडल के अध्यक्षगण, मंडल उपाध्यक्षगण, मंडल महामंत्री गण, सभी शक्ति केंद्र प्रभारी गण, सभी बूथ अध्यक्षगण एवं जनप्रतिनिधि गण, भाजपा पदाधिकारी गण एवं अधिकारी कर्मचारी गण तथा बड़ी संख्या में किसान उपस्थित रहे।

महाविद्यालय में रसायन शास्त्र विभाग द्वारा राष्ट्रीय विज्ञान दिवस पर विविध कार्यक्रम

सरायपाली। स्वर्गीय राजा वीरेंद्र बहादुर सिंह शासकीय महाविद्यालय में प्राचार्य डॉक्टर संध्या भोई के निर्देशन में शब्या पटेल (विभाग अध्यक्ष रसायन शास्त्र) के मार्गदर्शन में तथा अनिल गुप्ता, अक्षय कुमार साहू एवं पीतांबर बाघ के नेतृत्व में राष्ट्रीय विज्ञान दिवस पर कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ मां शारदा की छायाचित्र के समक्ष दीप प्रज्वलित कर किया गया। कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रूप में स्वर्ण सिंह सलूजा (महाविद्यालय जन भागीदारी समिति सदस्य), रोशन चौहान (सहायक प्राध्यापक जंतु विज्ञान), एवं पुरुषोत्तम प्रधान मंचासीन रहे। प्राचार्य डॉक्टर संध्या भोई ने अपने उदबोधन में कहा कि यह दिन भारत के महान वैज्ञानिक सी वी रमन की एक महान खोज की याद में मनाया जाता है। 28 फरवरी 1928 को उन्होंने रमन प्रभाव की खोज की थी। उन्होंने ज्ञान एवं विज्ञान के पारस्परिक संबंधों पर प्रेरणाप्रद उदबोधन दिया। विशिष्ट अतिथि स्वर्ण सिंह सलूजा ने राष्ट्रीय विज्ञान दिवस पर सभी को शुभकामनाएं एवं बधाई देते हुए देश के महान वैज्ञानिक सी वी रमन एवं देश के भूतपूर्व राष्ट्रपति एवं मिसाइल मेन डॉक्टर ए पी जे अब्दुल कलाम राष्ट्र नवनिर्माण में उनके योगदान के बारे में बताया । विभाग अध्यक्ष शब्या पटेल ने राष्ट्रीय विज्ञान दिवस मनाने के उद्देश्य एवं रमन प्रभाव के बारे में विस्तार से बताया। विद्यार्थियों में विज्ञान के प्रति रुचि बढ़ाने, नवाचार एवं जागरूकता लाने के उददेश्य से क्विज प्रतियोगिता, मॉडल, पोस्टर प्रतियोगिता, एवं रासायनिक अभिक्रियाओं का प्रदर्शन विभाग द्वारा आयोजित किया गया। क्विज प्रतियोगिता में प्रथम स्थान-संगीता केवर्त (एमएससी चतुर्थ सेमेस्टर रसायन शास्त्र), द्वितीय स्थान-साक्षी सामंतराय(एमएससी चतुर्थ सेमेस्टर रसायन शास्त्र), पोस्टर प्रतियोगिता में प्रथम स्थान-आंचल साण्ड (एमएससी चतुर सेमेस्टर रसायन शास्त्र), द्वितीय स्थान-मीणा प्रधान (एमएससी चतुर्थ सेमेस्टर रसायन शास्त्र) ने प्राप्त किया। इस अवसर पर बड़ी संख्या में स्नातक एवं स्नातकोत्तर कक्षाओं के विद्यार्थी उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन आकांक्षा पुरोहित (एमएससी चतुर्थ सेमेस्टर रसायन शास्त्र) एवं आभार प्रदर्शन जमुना राणा (एमएससी द्वितीय सेमेस्टर रसायन शास्त्र) ने किया।

कलिंगा विवि के छात्र ने अस्मिता खेलो इंडिया वेस्ट जोन पेनक सिल्ट चैंपियनशिप में स्वर्ण पदक जीता

रायपुर। कलिंगा विश्वविद्यालय द्वितीय वर्ष बीसीएस (एआईएमएल और सीएस) की छात्रा सानिया परवीन की उत्कृष्ट उपलब्धि का जश्न मना रहा है, जिन्होंने प्रतिष्ठित अस्मिता खेलो इंडिया पेंचक सिलाट पश्चिम जोन चैंपियनशिप 2026 में स्वर्ण पदक जीतकर कलिंगा विश्वविद्यालय का नाम रोशन किया है। सानिया ने टैंडिंग (स्पैरिंग) डिवीजन के अंतर्गत 60 किलोग्राम से कम भार वर्ग में प्रतिस्पर्धा की, जिसमें असाधारण शक्ति, चपलता, रणनीतिक सूझबूझ और मानसिक दृढ़ता की आवश्यकता होती है। उल्लेखनीय कौशल, अनुशासन और प्रतिस्पर्धी भावना का प्रदर्शन करते हुए, उन्होंने अपने मुकाबलों में दबदबा बनाया और अपने वर्ग में स्वर्ण पदक जीता। उनकी यह उपलब्धि न केवल उनके व्यक्तिगत समर्पण और दृढ़ता को दर्शाती है बल्कि विश्वविद्यालय के खेल विभाग और कोचिंग स्टाफ द्वारा प्रदान किए गए गुणवत्तापूर्ण प्रशिक्षण, प्रोत्साहन और समर्थन को भी दर्शाती है। कलिंगा विश्वविद्यालय के अध्यक्ष, कुलाधिपति, कुलपति, रजिस्ट्रार, महानिदेशक, शैक्षणिक मामलों के डीन, आईक्यूएसी निदेशक, सभी डीन, संकाय सदस्य और सहपाठी छात्रों ने सानिया परवीन को उनके सराहनीय प्रदर्शन और राष्ट्रीय स्तर पर विश्वविद्यालय की प्रतिष्ठा बढ़ाने के लिए बधाई दी। उनकी सफलता महत्वाकांक्षी खिलाड़ियों, विशेषकर युवा महिलाओं के लिए खेलों और मार्शल आर्ट में उत्कृष्टता प्राप्त करने के लिए प्रेरणा का स्रोत है।

ग्राम पंचायत बिलाड़ी में पहली बार हर्षोल्लास के साथ मनाया गया होली मिलन समारोह

■ सरपंच दुलौरिन गौर सिंह धुरु ने पहली बार अपने कार्यकाल में होली मिलन का कार्यक्रम आयोजित किया

तिल्दा नेवरा। ग्राम पंचायत बिलाड़ी में इस वर्ष होली का पर्व विशेष उत्साह और सामाजिक समरसता के संदेश के साथ मनाया गया। ग्राम पंचायत बिलाड़ी में पहली बार होली मिलन समारोह का आयोजन किया गया, जिसने पूरे गांव में उत्सव जैसा माहौल बना दिया। यह आयोजन तिल्दा नेवरा के समीपस्थ ग्राम बिलाड़ी में सरपंच दुलौरिन गौर सिंह धुरु के नेतृत्व में उनके निज निवास पर रविवार, एक मार्च को दोपहर 3 बजे किया गया। कार्यक्रम में ग्राम की महिलाओं ने बढ़-चढ़कर भागीदारी निभाई और उत्साहपूर्वक इस आयोजन को सफल बनाया। सामाजिक समरसता और भाईचारे का संदेश रंगों का महापर्व होली आपसी प्रेम, सौहार्द और भाईचारे का प्रतीक माना जाता है। इसी भावना को साकार करते हुए ग्राम पंचायत बिलाड़ी के तत्वावधान में आयोजित इस होली मिलन कार्यक्रम में ग्रामीणों ने एक-दूसरे को अबीर-गुलाल लगाकर शुभकामनाएँ दीं। वातावरण पूरी तरह रंगमय और उत्सवधर्मी बना रहा। सरपंच दुलौरिन गौर सिंह धुरु ने अपने प्रथम कार्यकाल में गांव की महिलाओं के साथ यह पहल करते हुए एक नई परंपरा की शुरुआत की। उन्होंने महिलाओं का सम्मान कर यह संदेश दिया कि ग्राम विकास में महिलाओं की भागीदारी अत्यंत महत्वपूर्ण है। ग्रामीणों ने इस पहल की भूरी-भूरी प्रशंसा की और इसे सामाजिक एकता की दिशा में एक सार्थक कदम बताया।महिलाओं की रही विशेष भागीदारी-कार्यक्रम की सबसे विशेष बात यह रही कि गांव की महिलाओं ने उत्साहपूर्वक उपस्थिति दर्ज कराई। उन्होंने पारंपरिक गीतों और होली के लोक रंगों के साथ आयोजन में चार चांद लगा दिए।

आयुष्मान आरोग्य मंदिर में लगा स्वास्थ्य जांच शिविर

■ 31 मरीजों की हुई जांच, घर के पास मिली सेहत की सौगात

सरायपाली। विकासखंड के ग्रामीण अंचल में आम नागरिकों को उनके घर के समीप बेहतर स्वास्थ्य सुविधा उपलब्ध कराने के उद्देश्य से स्वर्गीय मोहनलाल चौधरी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र की पहल पर आयुष्मान आरोग्य मंदिर सिंघोड़ा में एक दिवसीय स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन किया गया।

इस शिविर में शिशु रोग विशेषज्ञ डॉ. कुणाल नायक एवं महिला रोग विशेषज्ञ डॉ. संजय अग्रवाल द्वारा गर्भवती महिलाओं एवं शिशुओं सहित कुल 31 मरीजों की स्वास्थ्य जांच की गई। चिकित्सकों ने मरीजों को आवश्यक परामर्श के साथ उपचार संबंधी दिशा-निर्देश भी दिए। शिविर के दौरान आयुष्मान आरोग्य मंदिर सिंघोड़ा के समस्त कर्मचारियों की एक समीक्षा बैठक भी आयोजित की गई, जिसमें खंड विस्तार प्रशिक्षण अधिकारी टी. आर. धृतलहरे द्वारा सभी राष्ट्रीय स्वास्थ्य कार्यक्रमों की प्रगति की समीक्षा की गई। बैठक में शत-प्रतिशत गर्भवती पंजीयन, एचआरपी (हाई रिस्क प्रेग्नेंसी) का चिन्हांकन, यूवीन पोर्टल में प्रविष्टि तथा नियमित टीकाकरण सुनिश्चित करने हेतु आवश्यक निर्देश दिए गए। यह स्वास्थ्य शिविर ग्रामीण क्षेत्र में मातृ-शिशु स्वास्थ्य को सुदृढ़ करने की दिशा में एक सराहनीय पहल साबित हुआ, जिससे स्थानीय नागरिकों को समय पर स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ मिल सका।

यातायात नियमों का उल्लंघन करने वाले 44 वाहन चालको पर बेमेतरा पुलिस की सख्त कार्यवाही

बेमेतरा। आगामी होली त्यौहार को दृष्टिगत रखते हुए यातायात बेमेतरा पुलिस टीम द्वारा जिले में सड़क सुरक्षा एवं यातायात नियमों के पालन को सुनिश्चित करने हेतु विशेष अभियान चलाया जा रहा है। इस अभियान के अंतर्गत भारी वाहन, तेज गति से वाहन चलाना, दोपहिया पर तीन सवारी, बिना सीट बेल्ट, बिना हेलमेट, मॉडिफाई साइलेंसर तथा शराब सेवन कर वाहन चलाने जैसे गंभीर उल्लंघनों पर कड़ी कार्रवाई की जा रही है। इसी क्रम में 27 फरवरी 2026 को थाना नवागढ 05 चालान में 05 वाहन चालक, थाना दाढी 05 चालान में 05 वाहन चालक, थाना खम्हरिया 13 चालान में 13 वाहन चालक, थाना साजा 01 चालान में 01 वाहन चालक, थाना परपोडी 09 चालान में 09 वाहन चालक, चौकी खण्डसरा 02 चालान में 02 वाहन चालक, चौकी मारो 07 चालान में 07 वाहन चालक, यातायात बेमेतरा 02 चालान में 02 वाहन चालक, कुल 44 वाहन चालको के विरूद्ध चालानी कार्यवाही किया गया। जिसमें यातायात नियमों का उल्लंघन करने वाले वाहन चालको के विरूद्ध 44 प्रकरण में 10,800/- रूपये समन शुल्क लिया गया। कार्यवाही के दौरान थाना/चौकी प्रभारी एवं यातायात प्रभारी रक्षित निरीक्षक प्रवीण खलखो, सउनि मोहन साहू, रघुवीर सिंह सहित यातायात पुलिस टीम शामिल रहे। यातायात बेमेतरा स्टॉफ ने आम नागरिकों से अपील की है कि वे स्वयं यातायात नियमों का पालन करें और अपने परिजनों को भी इसके लिए प्रेरित करें। यातायात नियमों का पालन करे, पीकअप, मालवाहक वाहन में सवारी न बैठाये, मोटर सायकल में मोडिफाइड साइलेंसर न लगाये, अपने नाबालिक बच्चों को वाहन चलाने न देवे, बिना नंबर के वाहन न चलाएं। वाहन चलाते समय सीट बेल्ट एवं हेलमेट अवश्य लगावें। वाहन चलाते समय मोबाईल का उपयोग न करें।

शिक्षकों का प्रतिनिधिमंडल जिला शिक्षा अधिकारी से मिले

दल्लीराजहरा। छत्तीसगढ़ प्रदेश शासकीय शिक्षक फेडरेशन के प्रदेश अध्यक्ष शंकर साहू एवं प्रदेश संयुक्त महामंत्री मितेंद्र बघेल, प्रदेश संगठन मंत्री अश्वनी देशलहरे के नेतृत्व में शिक्षकों का प्रतिनिधिमंडल जिला शिक्षा अधिकारी कार्यालय पहुँचा। यहाँ शिक्षकों ने जिला शिक्षा अधिकारी योगदास साहू से मुलाकात की और सहायक शिक्षकों की प्रधान पाठक पद पर पदोन्नति होने पर हर्ष व्यक्त किया, प्रतिनिधिमंडल ने जिला शिक्षा अधिकारी योगदास साहू को पुष्पगुच्छ (गुलदस्ता) भेंटकर व मिठाई खिलाकर सम्मान किया तथा तीनों विकासखंड शिक्षा अधिकारियों व लिपिकों के प्रति आभार व्यक्त किया। जिला शिक्षा अधिकारी व प्रदेश अध्यक्ष शंकर साहू ने पदोन्नत हुए सभी शिक्षक साथियों को हार्दिक बधाई व शुभकामनाएं दिया। कार्यालय परिसर में पदोन्नति उपरांत कार्यभार ग्रहण करने पर शिक्षकों ने एक-दूसरे को मिठाई खिलाकर पदोन्नति का जश्न मनाया। संगठन के प्रदेश अध्यक्ष शंकर साहू ने कहा कि मोहला-मानपुर-अंबागढ़ चौकी जिले में सहायक शिक्षकों का प्रधानपाठक बनना निश्चित रूप से गौरव का पल है। शिक्षा व्यवस्था को नई मजबूती मिलेगी, इससे स्कूलों के प्रबंधन और शैक्षणिक गुणवत्ता में सुधार आएगा। मोहला-मानपुर-अंबागढ़ चौकी के जिला शिक्षा अधिकारी- योगदास साहू ने सभी पदोन्नत शिक्षकों को शुभकामनाएँ देते हुए पूरी निष्ठा से नई जिम्मेदारी निभाने का आह्वान किया तथा शिक्षा गुणवत्ता में सुधार हेतु हम सब को मिलजुलकर कार्य करने हेतु प्रोत्साहित किया। जिला शिक्षा अधिकारी से भेंट मुलाकात कर अभिनंदन व सम्मान करने वालों में प्रमुख रूप से संगठन के प्रदेश अध्यक्ष शंकर साहू, प्रदेश संगठन मंत्री अश्वनी देशलहरे, प्रदेश संयुक्त महामंत्री मितेंद्र बघेल, जिला सचिव मक्खन साहू, प्रदेश महामंत्री लीलाधर कोलियरे, मोहला ब्लॉक अध्यक्ष- शिवशंकर मंडावी, जिला महामंत्री-मुकेश कुमार कोमरे, आदि पदाधिकारी उपस्थित रहे।

होली पर पुलिस का हाई अलर्ट बदमाशो और हुड़दंगियों पर रहेगी नजर

मुखौटा वार्निश पेंट स्प्रे पर रोक, डीजे पूर्णतः प्रतिबंध, होली के मद्देनजर 200 पुलिस कर्मचारीयों की तैनाती, एसपी योगेश पटेल स्वंय करेंगे मॉनिटरिंग

बालोद। होली को लेकर जिले की पुलिस अगले चार दिनों तक हाई अलर्ट पर है। शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों के सभी प्रमुख चौक-चौराहों, भीड़वाली और सार्वजनिक जगहों पर 200 से अधिक पुलिस की तैनाती रहेगी। इतना ही नहीं नशे की हालत में वाहन चलाने, तीन सवारी वाहन चालकों और बिना हेलमेट दो पहिया वाहन चलाने वालों पर कार्रवाई की जाएगी। बदमाशो व हुड़दंगियों पर विशेष नजर रहेगी। शिकायत मिलते ही ऐसे सारे लोगों को हिरासत में लिया जाएगा। निगरानीशुदा गुंडे-बदमाशों को पुकिस सख्त चेतावनी के साथ हिदायत दे रही है, वही अवैध शराब की बिक्री को लेकर भी पुलिस सख्ती के साथ निगरानी रखेगी। सूचना मिलते ही अवैध शराब बेचने वालों पर नियमानुसार कार्यवाही की जाएगी। डीजे पर पूर्णतः प्रतिबंध किया गया है। वही मुखौटा, वार्निश पेंट स्प्रे सहित ऐसे केमिकल पदार्थ हो शरीर के लिए हानिकारक है, उसके उपयोग पर पूर्णतः प्रतिबंध लगाया गया है। इसका उपयोग करने और बेचने वाले दोनों पर कार्रवाई की जाएगी। किसी पर जबरन रंग डालने या कपड़े फड़ने जैसी हरकतों को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। शराब पीकर वाहन चलाने वालों पर पुलिस की विशेष नज़र रहेगी। होली के दिन सांप्रदायिक माहौल न बिगड़े, इसे लेकर एसपी योगेश पटेल के निर्देश पर सभी थानों एवं चौकियों में शांति समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक में जानकारी दी गई कि अफवाह फैलाने वालों पर भी नज़र रखी जाएगी।

200 से अधिक पुलिस जवानों की होगी तैनाती

होली को ध्यान रखते हुए एसपी योगेश पटेल के निर्देश पर 200 से ज्यादा पुलिस जवानों की तैनाती की गई है। जो जिला मुख्यालय बालोद के प्रमुख चौक चौराहे, तथा ग्रामीण अंचलों के छोटे-बड़े पॉइंट पर ये तैनात रहेंगे। इसके अलावा महिला कमांडो दल की भी मदद ली जा रही है। सभी जरूरी नंबरों को सार्वजनिक स्थलों पर चस्पा किया जा रहा है, ताकि जरुरत के समय लोग इसका उपयोग कर सकें। हुड़दंग, अवैध मादक पदार्थ, लापरवाहीपूर्वक वाहन चालक, साउंड सिस्टम उलंघन के मामलों में प्रतिबंधात्मक कार्यवाही भी की जाएगी। ब्रेथ एनलाइजर से जांच के लिए अलग से टीम का गठन किया गया है, यह टीम हाईवे और प्रमुख चौक पर सक्रिय रहेगी।

आपत्तिजनक संदेश फॉरवर्ड न करे

होली को शांति पूर्ण तरिके से मनाने के लिए स्थानीय प्रशासन ने जिला यातायात विभाग के सामने शांति समिति की बैठक आयोजित की गई थी। बैठक में प्रशासन ने सोशल मीडिया पर भड़काऊ पोस्ट न करने की अपील की है, स्पष्ट कहा है कि किसी भी धर्म व समाज के खिलाफआपत्तिजनक संदेश न फॉरवर्ड करे। प्रशासन ने संकेत दिया कि साइबर सेल भी पूरी तरह सतर्क रहेगी। जनप्रतिनिधियों और नागरिकों से सामाजिक सदभाव बनाए रखने का आग्रह किया गया है। डिजिटल प्लेटफॉर्म पर शांति भंग न हो, यह सुनिश्चित करना महत्वपूर्ण है। पुलिस ने आमजन से होली पर्व के दौरान सहयोग की अपील की हैं। पुलिस ने कहा कि होली प्रेम, रंग और भाईचारे का पर्व है। इसे शांति और जिम्मेदारी के साथ मनाना सभी की जिम्मेदारी है। यातायात प्रभारी रविशंकर पांडेय ने कहा कि बोर्ड परीक्षा के मद्देनजर ध्वनि विस्तारक यंत्र के उपयोग के लिए एसडीएम से अनुमति जरूर लें, ताकि बच्चों को पढ़ाई में व्यवधान न हो। शराब के नशे में या तीन सीट दोपहिया वाहन तेज रफ्तार में चलाने पर कार्रवाई की जाएगी।

गुंडा बदमाशो पर रखी जा रही निगरानी : एसपी

पुलिस अधीक्षक योगेश पटेल ने जानकारी देते हुए कहा कि होली के मद्देनजर शांति व्यवस्था बनी रहे, इसपर सभी तरह से काम किया जा रहा है। शराब पीकर वाहन चलाने, तेज वाहन चलाने और मोटर साईकिल पर 3 सवारी चलने वालों पर सख्ती रहेगी। ट्रैफिक और थाने की पुलिस अलग अलग जगहों पर रहेगी। गुंडा बदमाश लोगों पर निगरानी रखी जा रही है, समझाइश दी जा रही हैं, सभी पर वैधानिक कार्यवाही की जा रही हैं। उन्होने बताया कि सभी थानों में शांति समिति की बैठक ली गई है। जिसका मुख्य उद्देश्य है कि जो बुजुर्ग लोग है, सभी उनका सुनते है, वे समाज में मोहल्ले में मैसेज पहुचाएं की लोग शांति पूर्ण होली त्योहार मनाए। कोई किसी पर जबरदस्ती रंग ने डाले। कहते है बुरा न मानो होली हैं, लेकिन बहुत लोग ऐसा काम कर देते है, जिससे लोगो को बुरा लग जाता है। उन्होंने बताया कि 200 से अधिक बल की तैनाती की गई है, साथ और बल की जरुरत पड़े तो लगाएंगे। स्टॉपर लगाएं जाएंगे। एक्सट्रा पेट्रोलिंग बल रहेगा। ग्रामीण क्षेत्रो में निगरानी रखने हेतु उन्होंने बताया कि कोटवार व ग्राम पटेल को निर्देश दिए गए है। बीट सिस्टम के माध्यम से आरक्षकों निर्देशित कर तैनात किया गया है। समय रहते कार्यवाही करने निर्देश दिया गया है। महिला कमांडो भी सूचनाएं दे रही है, साथ ही साथ पुलिस का मैसेज भी लोगो तक पहुचा रही है। उन्होंने कहा कि पुलिस की सख्ती रहेगी, लेकिन जहां लोग शांति पूर्ण तरीके से होली मनाएंगे, वहां हम किस भी प्रकार से टोका टाकी नही करेंगे।

संक्षिप्त समाचार

महाराज बंद तालाब के पास 'नंदू' का नशे का खेल बेनकाब, 140 नशीली गोलियों के साथ गिरफ्तार

रायपुर। रायपुर में नशे के कारोबार पर शिकंजा कसते हुए थाना पुरानी बस्ती पुलिस ने बड़ी कार्रवाई की है। महाराज बंद तालाब के पास ग्राहकों की तलाश में घूम रहे एक युवक को पुलिस ने रंगे हाथों दबोच लिया। तलाशी के दौरान उसके पास से भारी मात्रा में नशीली टेबलेट बरामद हुई, जिससे इलाके में चल रहे अवैध धंधे का पर्दाफाश हो गया। पुलिस के मुताबिक आरोपी की पहचान विवेक प्रधान उर्फ नंदू (26 वर्ष), निवासी बीएसयूपी कॉलोनी खमरहडीह के रूप में हुई है। उसके पास से पीले रंग के थैले में रखी नाइट्राजेपाम की 14 स्ट्रिप, कुल 140 टेबलेट जब्त की गई, जिसकी अनुमानित कीमत 14 हजार रुपये बताई जा रही है। पूछताछ के दौरान आरोपी कोई वैध दस्तावेज प्रस्तुत नहीं कर सका। यह कार्रवाई पुलिस उपायुक्त (वेस्ट जोन) संदीप पटेल के निर्देश पर चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत की गई। मुखबिर की सटीक सूचना पर पुलिस टीम ने घेराबंदी कर आरोपी को पकड़ा, जिससे संभावित रूप से युवाओं तक पहुंचने वाली नशीली दवाओं की खेप समय रहते जब्त कर ली गई। आरोपी के खिलाफ थाना पुरानी बस्ती में अपराध क्रमांक 101/2026 के तहत धारा 21(ब), 29 एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज कर उसे गिरफ्तार कर लिया गया है। पुलिस का कहना है कि शहर में नशे का जाल फैलाने वालों के खिलाफ अभियान आगे भी लगातार और सख्ती के साथ जारी रहेगा।

अंगदान से मानवता को नई दिशाः प्रोजेक्ट दधीचि से जुड़कर पशु चिकित्सा कर्मी बने प्रेरणा स्रोत

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के निर्देशानुसार जिला प्रशासन द्वारा संचालित प्रोजेक्ट दधीचि के तहत मानवता और जनसेवा की दिशा में एक प्रेरणादायक पहल करते हुए बैरन बाजार स्थित जिला वेटनरी हॉस्पिटल में पदस्थ चिकित्सा कर्मचारी राजेश पटेल ने अंगदान का संकल्प लेकर समाज के समक्ष अनुकरणीय उदाहरण प्रस्तुत किया है। जिले में संचालित प्रोजेक्ट दधीचि के अंतर्गत उन्होंने अंगदान के लिए पंजीयन कर जन जागरूकता का संदेश दिया। इस अवसर पर कलेक्टर डॉ. गौरव सिंह ने सम्मान पत्र प्रदान कर उनके इस पुनीत कार्य की सराहना की तथा कहा कि अंगदान मानवता की सर्वोच्च सेवा है, जिससे कई लोगों को नया जीवन मिल सकता है। राजेश पटेल ने अपने संकल्प के बारे में कहा कि मुझे बड़ी खुशी है कि मैं इस पुनीत कार्य का हिस्सा बना, मेरा जाने के बाद कोई और भी स्वस्थ जीवन के सकेगा। उन्होंने इस पहल के लिए मुख्यमंत्री साय एवं जिला प्रशासन के प्रति आभार व्यक्त किया। जिला प्रशासन द्वारा संचालित प्रोजेक्ट दधीचि के तहत अब तक 88 से अधिक लोगों ने अंग एवं संपूर्ण शरीर दान का संकल्प लिया है, जिससे समाज में अंगदान के प्रति जागरूकता बढ़ रही है। जिला प्रशासन ने आम नागरिकों से अपील की है कि वे भी इस पुनीत कार्य से जुड़कर अंगदान का संकल्प लें। अधिक जानकारी एवं पंजीयन हेतु 9406049000 संपर्क नंबर पर संपर्क किया जा सकता है। इस अवसर पर जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी कुमार बिश्वरंजन, संयुक्त संचालक पशु स्वास्थ्य सेवाएं डॉ. शंकरलाल उइके तथा लोक निर्माण विभाग के कार्यपालन अभियंता प्रभात सक्सेना सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

स्मृति पुस्तकालय योजना को मिल रहा जनसमर्थन, अब तक 7800 से अधिक पुस्तकें की गई दान

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के निर्देशानुसार जिले में संचालित स्मृति पुस्तकालय योजना के तहत ज्ञान दान की दिशा में जनसहभागिता लगातार बढ़ रही है। इसी क्रम में पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग के सहायक संचालक गौरव साहू ने अंग्रेजी, पंचायती राज, खेल, भूगोल सहित अन्य प्रतियोगी परीक्षाओं से संबंधित पुस्तकें जिला प्रशासन को दान की कलेक्टर डॉ. गौरव सिंह ने उनके इस सराहनीय योगदान की प्रशंसा करते हुए प्रमाण पत्र एवं प्रेरक पुस्तक भेंट कर सम्मानित किया। उन्होंने कहा कि इस प्रकार के प्रयास से जरूरतमंद एवं प्रतिभावान अभ्यर्थियों को प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी में महत्वपूर्ण सहयोग मिलेगा। उल्लेखनीय है कि इस योजना के अंतर्गत अब तक 7800 से अधिक पुस्तकें एवं इलेक्ट्रॉनिक गैजेट्स दान की जा चुकी हैं। जिनका लाभ जिले के अनेक विद्यार्थियों को मिल रहा है। यह अभियान केवल पुस्तक दान तक सीमित नहीं, बल्कि युवाओं के सपनों को संवारने और उनके भविष्य निर्माण का संकल्प है। जिला प्रशासन ने आमजन से अपील की है कि वे भी इस पुनीत कार्य में सहभागी बनें। पुस्तक अथवा इलेक्ट्रॉनिक गैजेट दान करने हेतु इच्छुक नागरिक फोन के माध्यम से प्रभात सक्सेना 94060 49000 एवं केदार पटेल 94255 02970 पर संपर्क कर सकते हैं। इस अवसर पर जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी कुमार बिश्वरंजन एवं जिला रोजगार अधिकारी केदार पटेल सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

बायपास बना 'ब्लैक स्पॉट' तो जागी पुलिस! रात के अंधेरे में हादसों पर ब्रेक लगाने उतरी ट्रैफिक टीम

रायपुर। शहर में बढ़ते ट्रैफिक दबाव और लगातार बनी सड़क हादसों की आशंका के बीच यातायात पुलिस ने आखिरकार बायपास रोड को लेकर बड़ा कदम उठाया है। पुलिस अधीक्षक सुश्री अंकिता शर्मा के निर्देशन, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्री कीर्तन राठौर के मार्गदर्शन और यातायात प्रभारी नवरत्न कश्यप के नेतृत्व में बायपास मार्ग पर दुर्घटनाओं की रोकथाम के लिए विशेष सुरक्षा इंतजाम किए गए हैं। सीआईडी चौक और ट्रांसपोर्ट नगर चौक से भारी वाहनों का डायवर्सन शुरू कर दिया गया है, ताकि मुख्य बायपास मार्ग पर दबाव कम हो और अनियंत्रित रफ्तार पर लगाम लग सके। दरअसल बायपास रोड स्थित शराब भट्टी के आसपास शाम ढलते ही भीड़ और वाहनों की आवाजाही इतनी बढ़ जाती है कि यह इलाका दुर्घटना संभावित क्षेत्र बन जाता है। रात के समय कम दृश्यता हालात को और खतरनाक बना देती है। इसी खतरे को भांपते हुए यातायात पुलिस ने सड़क किनारे सुरक्षा स्टॉपर लगवाए हैं, जिन पर रेडियम पट्टियां चिपकाई गई हैं ताकि अंधेरे में भी वे दूर से चमक सकें। वाहन चालकों को सचेत करने के लिए धीरे चलें, ओवरटेक न करें और ओवर स्पीड न चलें जैसे चेतावनी बोर्ड भी लगाए गए हैं। इतना ही नहीं, बायपास फ्लाईओवर के दोनों ओर लोहे के खंभों पर भी रेडियम पट्टियां लगाई गई हैं, जिससे रात में गुजरने वाले वाहनों को स्पष्ट संकेत मिल सके।

3350 मकानों को मिलेगा लाभ

उद्योग मंत्री ने दी 14.42 करोड़ के अंडरग्राउंड सीवरेज लाइन की सौगात

- दोनों कॉलोनी की वर्षो पुरानी समस्या से मिलेगी निजात, कॉलोनीवासियों ने मंत्री-मेयर का महामाला से किया अभिनंदन

रायपुर/ संवाददाता

नगर विधायक और कैबिनेट मंत्री श्री लखन लाल देवांगन ने आज कोरबा नगर निगम क्षेत्र अंतर्गत वार्ड क्रमांक 25 शिवाजी नगर एवं वार्ड क्रमांक 27 महाराणा प्रताप नगर कॉलोनी की बहुप्रतीक्षित नई सीवरेज लाइन निर्माण 14.40 करोड़ के लागत के कार्य का नारियल तोड़कर शुभारम्भ किया। एमपी नगर स्थित उद्यान में आयोजित कार्यक्रम में मंत्री श्री देवांगन ने सम्बोधित करते हुए कहा कि दोनों ही कॉलोनी आज शहर के मुख्य आवासीय कॉलोनी हैं, लेकिन यहां की सीवरेज लाइन की समस्या विगत कुछ वर्षो से बदहाल थी। कॉलोनी की लंबे समय से नई सीवरेज लाइन के निर्माण की मांग थी। विधानसभा चुनाव में जब मुझे आप सभी के बीच संवाद कर आशीर्वाद प्राप्त करने का अवसर मिला था तब आप सभी ने इस बहुप्रतीक्षित कार्य की मांग की थी। तब मैंने वादा किया था कि नई सीवरेज लाइन का निर्माण हर हाल में किया जाएगा। आप सभी को बताते हुए हर्ष हो रहा है की इस बहुप्रतीक्षित कार्य को लेकर मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय और उपमुख्यमंत्री श्री अरुण साव ने 15 वें वित्त आयोग मद से तत्काल राशि की स्वीकृति प्रदान की और आज इस कार्य का शुभारम्भ किया जा रहा है। दोनों ही कॉलोनी के 3350 मकानों की नई सीवरेज लाइन का लाभ मिलेगा। 14.4 किलोमीटर लंबी सीवरेज लाइन का निर्माण होगा। मंत्री श्री देवांगन ने कहा कि सुशासन की सरकार एक ही पहचान है विकास और तेज विकास। ट्रिपल इंजन की सरकार में कोरबा नगर के विकास के लिए पर्याप्त राशि मिल रही है। उन्होने अधिकारियों से समयसीमा में पूरी गुणवत्ता के साथ काम करने के निर्देश दिया। शहर की हर छोड़ी-बड़ी समस्या के निजात हेतु तेजी से काम: महापौर श्रीमती संजू देवी राजपूत कार्यक्रम को संबोधित करते हुए महापौर श्रीमती संजू देवी राजपूत ने कहा कि कोरबा नगर में कैबिनेट मंत्री श्री लखन लाल देवांगन के नेतृत्व में कोरबा नगर निगम हर छोटी से बड़ी समस्याओ के निजात के लिए काम तेज गति से जारी है। विकास के लिए फंड लगातार प्राप्त हो रहा है। शहर को सुव्यवस्थित एवं सुसज्जितकरने की दिशा मे कोई कमी नहीं छोड़ी जा रही है। इस अवसर पर दोनों ही वार्ड के क्षेत्रवासियों ने मंत्री श्री देवांगन एवं महापौर सीमती संजू देवी राजपूत का महामाला से अभिनंदन कर आभार जताया। क्षेत्र वासियों ने कहा कि लंबे समय से इस कार्य की मांग की जा रही थी, फंड के अभाव में कार्य की स्वीकृति नही मिल पा रही थी। इस अवसर पर पार्षद श्रीमती वर्षा दिनेश वैष्णव, श्री अनुज जायसवाल,श्री अशोक चावलानी, श्री नरेंद्र देवांगन, श्री पंकज देवांगन, श्री अजय गौंड, श्रीमती ज्योति वर्मा, श्री सोनू भाटिया, जिला उपाध्यक्ष श्री प्रफुल्ल तिवारी,मंडल अध्यक्ष श्री राजेश राठौर, श्री धर्मपाल सोलंकी, श्री नितिन चतुर्वेदी, श्री पुनीराम साहू, श्री ईश्वर साहू, श्री प्रकाश अग्रवाल सहित दोनों वार्ड के गणमान्य जन अधिक संख्या मे उपस्थित रहे।

एआई समिट में नग्नता के बाद देश को बदनाम करने की साजिश देशद्रोह-ठोकने

- सोशल मीडिया में आकर लोगों ने खोली पोल कई वीडियो जारी किया

रायपुर। संवाददाता

भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश प्रवक्ता नलिनीश ठोकने ने कांग्रेस की ओछी राजनीति और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भारत की छवि धूमिल करने के प्रयासों पर तीखा हमला बोला है। श्री ठोकने ने हालिया एआई समिट के दौरान कांग्रेस कार्यकर्ताओं के नग्न प्रदर्शन को देशद्रोही श्रेणी का कृत्य बताते हुए कहा कि विश्व बिरादरी के सामने भारत को शर्मसार करने के इस निन्दनीय कृत्य के लिए कांग्रेस नेता पूरे देश से बिना शर्त माफी मांगें। भाजपा प्रदेश प्रवक्ता श्री ठोकने ने कहा कि युवा कांग्रेस द्वारा राहुल गांधी और प्रियंका वाड्रा के राजनीतिक स्वार्थ को साधने के लिए एआई समिट में आए विदेशी मेहमानों के सामने नग्न प्रदर्शन किया जाना कोई आकस्मिक घटना नहीं थी, बल्कि कांग्रेस नेतृत्व की सोची-समझी साजिश थी, जिसकी पुष्टि घटना के बाद शीर्ष नेतृत्व की चुप्पी से हो रही है। सोशल मीडिया पर देश को बदनाम करने की साजिश करने का गम्भीर आरोप लगाते हुए श्री ठोकने ने कहा कि डिजिटल पब्लिक रिलेशन कंपनी ने सोशल मीडिया इंफ्लुएंसर्स को इस साजिश को अंजाम देने के लिए भारी रकम का लालच दिया। इसका एकमात्र उद्देश्य एआई समिट को फ्लॉप बताना और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सहित भारत सरकार की छवि को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर खराब करना था। श्री ठोकने ने कहा कि सत्ता की लालसा में देश को बदनाम करना सीधे तौर पर देशद्रोह की श्रेणी में आता है। उन्होंने कहा कि जो राजनीतिक दल सत्ता पाने ऐसे षड़यंत्र रच सकती है तो सत्ता में रहते क्या-क्या पाप कर चुकी होगी सहज समझा जा सकता है। भाजपा प्रदेश प्रवक्ता श्री ठोकने ने पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल द्वारा कॉमनवेल्थ गेम्स का उदाहरण देकर भाजपा को घेरने की कोशिशों पर कड़ा पलटवार करते हुए कहा कि बघेल तथ्य और सत्य को लहूलुहान करने की अपनी आदत से बाज आएँ। श्री ठोकने ने बघेल को याद दिलाया कि भाजपा ने कॉमनवेल्थ गेम्स के समय उस आयोजन का नहीं, बल्कि कांग्रेस पोषित भ्रष्टाचार और कुप्रबंधन का विरोध किया था, जहाँ महज 30 रुपए के टॉयलेट पेपर को 3 हजार रुपए में खरीदा गया था। उसी कॉमनवेल्थ गेम्स के दौरान कई देशों ने इसमें भाग लेने से साफमना कर दिया था। इसी दौरान दिल्ली में बना पुल ढह गया था।

ठाकुरदिया खुर्द में राम मंदिर का उपमुख्यमंत्री श्री विजय शर्मा ने किया भूमिपूजन

- उपमुख्यमंत्री ने ठाकुरदिया खुर्द में सामाजिक भवन एवं पिथौरा में जनपद पंचायत सभाभवन निर्माण की घोषणा

रायपुर/ संवाददाता

उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा आज महासमुंद जिले के ठाकुरदिया खुर्द में आयोजित राम मंदिर के भूमिपूजन कार्यक्रम में शामिल हुए। इस अवसर पर उन्होंने विधिवत पूजा-अर्चना कर भूमिपूजन किया। इस अवसर पर बड़ी संख्या में श्रद्धालु एवं ग्रामीणजन उपस्थित रहे। वैदिक मंत्रोच्चार के बीच मंदिर निर्माण की आधारशिला रखी गई। उपमुख्यमंत्री ने कहा कि भगवान श्रीराम भारतीय संस्कृति और मर्यादा के प्रतीक हैं तथा राम मंदिर का निर्माण समाज की आस्था और एकता का प्रतीक है। उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि अयोध्या में निर्मित श्री राम मंदिर सनातन समाज के संकल्प और आस्था की अद्भुत मिसाल है। उसी प्रेरणा से गांव-गांव में धार्मिक और सांस्कृतिक स्थलों का विकास होना चाहिए। अयोध्या के भगवान राम के मंदिर से ईंट लेकर इस मंदिर का निर्माण किया जा रहा है। अयोध्या का श्री राम मंदिर अपने आप में विशेष है वह सनातनी मान बिंदु है, कई आक्रान्ता आये और हमारे मंदिरों को छिन्न भिन्न कर दिया था, उस समय समाज के लोगों ने संकल्प लिया होगा और 500 साल बाद राम मंदिर फिर भव्य रूप में बनकर खड़ा है। आज इस मन्दिर का निर्माण का प्रारम्भ अयोध्या से लाई ईंट से हो रहा जो बहुत अद्भुत है। संकल्प लेकर मंदिर निर्माण का कार्य समय पर पूरा करें। उन्होंने मंदिर हेतु समाज द्वारा प्रदान किए गए दान की भी सराहना की। इस अवसर पर उन्होंने ठाकुरदिया खुर्द में 20 लाख रुपए की लागत से सामाजिक भवन तथा पिथौरा जनपद पंचायत में 25 लाख रुपए की लागत से सभाभवन निर्माण की घोषणा भी की। इस अवसर पर श्री उमेशानंद गिरी महाराज, श्री कृष्णानन्द गिरी महाराज, सांसद श्रीमती रूपकुमारी चौधरी, पूर्व केबिनेट मंत्री आन्ध्र प्रदेश श्री अमर सिंग तिलावत, जिला भाजपा अध्यक्ष एतराम साहू, पूर्व सांसद चुन्नीलाल साहू, जिला पंचायत अध्यक्ष मोंगरा पटेल, जनपद अध्यक्ष उषा पुरषोत्तम घृतलहरे, जनपद उपाध्यक्ष ब्रह्मानंद पटेल।

पुलिस विभाग सदैव महिलाओं की सुरक्षा के लिए तत्पर है-रंजना साहू

रायपुर। संवाददाता

अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के उपलक्ष्य में इनर व्हील क्लब धमतरी द्वारा स्थानीय खाटू श्याम मंदिर परिसर में महिला सशक्तिकरण विषय पर महिला उत्सव सम्मान समारोह का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम में अतिथि के रूप में भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष एवं धमतरी की पूर्व विधायक श्रीमती रंजना डीपेंद्र साहू शामिल हुईं। वहीं अतिथि के रूप में डीएसपी मीना साहू की भी गरिमामयी उपस्थिति रही। समारोह की शुरुआत दीप प्रज्वलन से हुई। क्लब की महिलाओं द्वारा अतिथियों का पुष्पगुच्छ कर आत्मीय स्वागत किया गया। इस अवसर पर विभिन्न क्षेत्रों जैसे शिक्षा, समाज सेवा, स्वास्थ्य एवं स्वरोजगार में उत्कृष्ट कार्य करने वाली महिलाओं का सम्मान किया गया। अपने संबोधन में श्रीमती रंजना साहू ने कहा कि महिला सशक्तिकरण केवल एक नारा नहीं, बल्कि समाज के समग्र विकास का आधार है। उन्होंने कहा कि आज महिलाएं शिक्षा, प्रशासन, राजनीति, व्यापार और सुरक्षा जैसे हर क्षेत्र में अपनी प्रतिभा का लोहा मनवा रही हैं। उन्होंने इनर व्हील क्लब की महिलाओं की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे आयोजन समाज में सकारात्मक ऊर्जा और जागरूकता का संचार करते हैं। उन्होंने आगे कहा कि नारी शक्ति के सम्मान और आत्मनिर्भरता के बिना विकसित समाज की कल्पना अधूरी है। हमें बेटियों को शिक्षा, संस्कार और अवसर तीनों देने होंगे। डीएसपी मीना साहू ने अपने वक्तव्य में महिलाओं की सुरक्षा, आत्मविश्वास और कानूनी जागरूकता पर विशेष बल दिया। उन्होंने कहा कि महिलाएं यदि अपने अधिकारों के प्रति सजग रहें और आत्मरक्षा के प्रति जागरूक हों तो वे किसी भी चुनौती का सामना कर सकती हैं। उन्होंने उपस्थित महिलाओं को साइबर सुरक्षा, घरेलू हिंसा कानून और हेल्पलाइन नंबरों की जानकारी भी दी।

90 वर्षीय असहाय महिला से दुष्कर्म, आरोपी गिरफ्तार

रायपुर। छत्तीसगढ़ के भाटापारा ग्रामीण क्षेत्र से मानवता को शर्मसार कर देने वाली घटना सामने आई है। यहां चलने-फिरने में पूरी तरह असमर्थ एक लगभग 90 वर्षीय बुजुर्ग महिला के साथ दुष्कर्म किए जाने का मामला सामने आया है, जिसने पूरे इलाके को स्तब्ध कर दिया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, पीड़िता के परिजन ने थाना भाटापारा ग्रामीण में शिकायत दर्ज कराई कि उनकी 89 वर्षीय माता, जो पूरी तरह बिस्तर पर निर्भर हैं, के साथ रात के समय आरोपी दीपक टंडन ने दुष्कर्म की वारदात को अंजाम दिया। शिकायत में यह भी बताया गया कि आरोपी पहले भी रात में घर के आसपास आता-जाता रहा है।

होली से पहले किसानों को मिला साय सरकार का तोहफा

कृषक उन्नति योजना अंतर्गत राज्यभर में आदान सहायता राशि वितरण

- रायपुर ज़िले में एक लाख तीस हजार से अधिक किसानों के खातों में लगभग 49 हजार लाख रुपये अंतरित

रायपुर/ संवाददाता

राज्य शासन द्वारा कृषक उन्नति योजना के अंतर्गत खरीफ विपणन वर्ष 2025-26 में धान उपार्जन करने वाले किसानों को आदान सहायता राशि का वितरण आज पूरे प्रदेश में ब्लॉक स्तर पर समारोहपूर्वक किया गया। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में होली पर्व से पूर्व किसानों के बैंक खातों में आदान सहायता राशि का अंतरण कर राज्य सरकार ने यह सुनिश्चित किया है कि अन्नदाता आर्थिक चिंता से मुक्त होकर अपने परिवार के साथ उल्लासपूर्वक त्योहार मना सकें। समय पर मिली यह राशि किसानों के लिए न केवल आर्थिक राहत बनी है, बल्कि त्योहार की खुशियों में भी नई शक्ति लेकर आई है। इसी क्रम में रायपुर जिले के सभी विकासखंडों में किसान सम्मेलन एवं राशि वितरण कार्यक्रम आयोजित किया गया, जहां बड़ी संख्या में मौजूद किसानों ने खुशी और उत्साह व्यक्त किया। रायपुर जिले के धरसीवां विकासखंड में आयोजित कार्यक्रम में विधायक श्री अनुज शर्मा एवं रायपुर ग्रामीण विधायक श्री मोतीलाल साहू मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। विधायक श्री अनुज शर्मा ने कहा कि, जब एक किसान कड़ी मेहनत करता है और अपनी फसल बेचने जाता है, तो उसे यह संतोष होता है कि उसके खून-पसीने की कमाई का उसे उचित प्रतिफल मिलेगा। उन्होंने कहा कि देश में सर्वाधिक मूल्य पर धान खरीदी छत्तीसगढ़ में मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में की जा रही है, जो प्रदेश के किसानों के लिए गर्व की बात है। श्री शर्मा ने कहा कि छत्तीसगढ़ के किसान अब कहते हैं- 'धान बेचो झट ले, पैसा झोंको फट ले' यानी किसानों को किस्तों में नहीं बल्कि सीधे और तुरंत उनके बैंक खातों में भुगतान किया जा रहा है। शासन और प्रशासन धान खरीदी के दौरान किसानों से निरंतर संवाद करते हुए उनकी समस्याओं का त्वरित निराकरण कर रहा है, ताकि किसी भी किसान को असुविधा न हो। प्रदेश भर में अब तक 25 लाख 24 हजार किसानों से 141 लाख मीट्रिक टन धान की खरीदी की जा चुकी है। इसके एवज में 33,431.19 करोड़ रुपये का भुगतान किसानों के खातों में किया जा चुका है। साथ ही आज 10,292.33 करोड़ रुपये की राशि एकमुश्त किसानों के खातों में अंतरित की जाएगी, जिससे किसानों को आर्थिक रूप से और अधिक मजबूती मिलेगी। कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए विधायक श्री मोतीलाल साहू ने कहा, त्यौहार के पहले किसानों को यह उपहार मिलना उनके लिए बड़ी खुशी की बात है। किसानों को शेष राशि मिल गई है, जिससे वे अपने त्यौहार को और बेहतर तरीके से मना सकेंगे। यह किसानों के सम्मान और उनकी मेहनत का उचित मूल्य देने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। उन्होंने आगे कहा कि मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में राज्य सरकार किसानों से किए गए वादों को पूरा करने के लिए प्रतिबद्ध है। इस वर्ष 141 लाख मीट्रिक टन धान की खरीदी की गई है। हमने 'मोदी की गारंटी' को पूरा करने का जो संकल्प लिया था, उसे पूरा करने की दिशा में निरंतर कार्य कर रहे हैं। हमारी सरकार किसानों के जीवन में खुशहाली लाने के लिए समर्पित है। कृषक उन्नति योजना के अंतर्गत रायपुर जिले में आयोजित विभिन्न ब्लॉक स्तरीय कार्यक्रमों के माध्यम से कुल 1,30,776 किसानों को लाभान्वित किया गया। जिले के अभनपुर, आरंग, तिल्दा एवं धरसीवां विकासखंडों में किसानों द्वारा कुल 66,62,444.40 क्विंटल धान का उपार्जन किया गया, जिसके बदले लगभग 48,659.74 लाख रुपये की आदान सहायता राशि का वितरण किया गया। अभनपुर विकासखंड में 31,775 किसानों को 11,050.20 लाख रुपये, आरंग विकासखंड में 48,152 किसानों को 18,236.18 लाख रुपये, तिल्दा विकासखंड में 34,662 किसानों को 13,369.96 लाख रुपये तथा धरसीवां विकासखंड में 16,187 किसानों को 6,003.40 लाख रुपये की राशि प्रदान की गई।

संपादकीय

दुनिया में गहराता जल संकट

दुनिया में बढ़ता जल संकट चिंता का विषय बना हुआ है। अगला विश्व युद्ध पानी के लिए लड़े जाने की भविष्यवाणियां तक की जा चुकी हैं। संयुक्त राष्ट्र विश्वविद्यालय के जल, पर्यावरण और स्वास्थ्य संस्थान के शोधकर्ताओं की हाल में आई एक रपट इन चिंताओं को और गंभीर रूप दे रही है। इसमें कहा गया है कि पिछले कई दशकों के दौरान जल के अत्यधिक दोहन, सिमटते भूजल स्रोतों, भूमि क्षरण, बढ़ते प्रदूषण और जलवायु परिवर्तन से उपजी बाधाओं की वजह से दुनिया अब जल संकट की अवस्था से आगे बढ़कर 'वैश्विक जल दिवालियापन' की स्थिति में कदम रख चुकी है। जब कोई इंसान दिवालिया होता है, तो उसके पास पैसा नहीं बचता, घर तक गिरवी हो जाता है और विश्वसनीयता खत्म हो जाती है। बड़ा सवाल यह है कि अगर दुनिया पानी के लिहाज से दिवालिया हो गई, तो क्या होगा? रपट में शोधकर्ताओं ने जो कुछ कहा है, उसका मतलब यह नहीं कि दुनिया से पानी अचानक खत्म हो जाएगा, बल्कि जिस ढंग से जल का अंधाधुंध दोहन और प्रदूषण बढ़ रहा है, उससे जल व्यवस्था की रीढ़ टूटनी शुरू हो गई है। समूचे विश्व में बहुत पहले से जल संकट की चर्चा होती रही है, मगर इसे एक ऐसे झटके की तरह देखा जाता रहा है, जिससे समय के साथ उबरा जा सकता है। अगर जल संकट के बारे में चेतावनी दी जाती रही है, तो यह भरोसा भी दिलाया जाता रहा है कि फिर से अच्छी बरसात होगी, जल का स्तर सुधर जाएगा और हालात पुनर्सामान्य हो जाएंगे। मगर नई रपट ने इस भरोसे पर सवालिया निशान लगा दिया है। रपट में साफ कहा गया है कि विश्व की जल आपूर्ति प्रणाली कई जगहों पर पतन के दौर में पहुंच चुकी है। अनेक क्षेत्रों में पानी की कमी अब स्थायी स्वरूप लेती जा रही है। यह स्थिति केवल पानी की कमी की नहीं, बल्कि व्यवस्था के टूटने की ओर संकेत करती है। ऐसे में अब हमें पानी के बारे में अपने सोचने का ढंग बदलना होगा। अब तक जल संकट को एक अस्थायी समस्या माना जाता रहा है। अकाल पड़े, परेशानियां आईं, मगर कुछ साल बाद हालात सुधर गए। किसी साल वर्षा कम हुई, लेकिन अगले मानसून में भरपाई हो गई। जब ऐसा चल रहा था, तो नीतियों का निर्धारण भी इसी अनुरूप होता रहा। कभी जल की बूंद-बूंद को सहेजने वाले समाज ने भी लापरवाही बरतना शुरू कर दिया। कई जगहों पर जलस्रोत इतने कमजोर हो चुके हैं कि उन्हें पहले जैसी स्थिति में लौटने में दशकों लग सकते हैं और कई मामलों में शायद लौटना संभव ही न हो पाए। हम दिवालियापन को व्यक्ति के आर्थिक रूप से कंगाल होने के संदर्भ में ही समझते आए हैं। जब कोई व्यक्ति आर्थिक रूप से दिवालिया होता है, तो इसका मतलब यह नहीं होता कि दुनिया से पैसा खत्म हो गया है। पैसा रहता है लेकिन उस व्यक्ति की आमदनी, खर्च और कर्ज के बीच का संतुलन बिगड़ जाता है।

धरती का तापमान न बढ़े, इसके लिए कवायद तो हो रही है, लेकिन दुनिया भर के देशों की वर्तमान नीतियां ऐसी हैं जो तापमान को 2.3 से 2.5 डिग्री तक ले जा सकती हैं। हालांकि कई देशों ने नवीकरणीय ऊर्जा पर जोर दिया है। फिर भी 29 देशों में कार्बन उत्सर्जन उच्च स्तर पर बना हुआ है। दूसरी ओर, भारत कम उत्सर्जन के साथ मध्यम प्रदर्शन कर रहा है। 'कार्बन मार्केट वाच' की रपट बताती है कि वर्तमान समय में विश्व के कई बड़े देश जलवायु परिवर्तन रोकने में सफल नहीं रहे हैं। लिहाजा 1.5 डिग्री तापमान के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए कार्बन उत्सर्जन में 43 फीसद कमी लाने की जरूरत है। मगर इसकी उम्मीद अभी नहीं दिख रही है। कई बड़े उद्योगों का कामकाज जलवायु लक्ष्यों के अनुकूल नहीं है। सच यह है कि वैश्विक तापमान बढ़ने से रोकने के प्रयास अपर्याप्त हैं। पिछले जी-20 सम्मेलन में शामिल देशों में वर्ष 2050 तक पृथ्वी के तापमान में बढ़ोतरी को डेढ़ डिग्री तक रखने पर सहमति बनी थी। यह अच्छी बात है कि इस वर्ष का केंद्रीय बजट ऊर्जा परिवर्तन को बढ़ावा देता है।

लक्ष्य से दूर कार्बन उत्सर्जन पर लगाम, भारत की अपनी चिंताएं और चुनौतियां

(सुशील कुमार)

मगर यह भी सच है कि भारत के विकास लक्ष्यों के साथ जलवायु अनुकूलन का तालमेल स्थापित करने में कहीं न कहीं कमी रह जाती है।गौरतलब है कि वर्ष 2022 में भारत ने कई महीनों तक गर्म हवाओं, बाढ़ और चक्रवात जैसी विषम मौसमी घटनाओं का सामना किया था, जिससे जन-जीवन से लेकर लोगों की आजीविका तक प्रभावित हुई। साथ ही विकास कार्यों के लिए यह स्थिति बाधा बनी रही।

'नेट जीरो' का मतलब ग्रीनहाउस गैसों का उत्सर्जन शून्य करना भर नहीं: 'नेट जीरो' का मतलब ग्रीनहाउस गैसों का उत्सर्जन शून्य करना भर नहीं है, बल्कि इन गैसों को दूसरे कामों से संतुलित करना भी है। ऐसी अर्थव्यवस्था भी तैयार करना है, जिसमें जीवाश्म ईंधन का इस्तेमाल न के बराबर हो। साथ ही कार्बन उत्सर्जन करने वाली दूसरी चीजों का इस्तेमाल भी कम से कम हो। अभी जितना कार्बन उत्सर्जन किया जा रहा है, उसी के अनुपात में उसे अवशोषित करने का भी इंतजाम हो।

यह पर्यावरण संरक्षण से ही संभव है। यदि कार्बन उत्सर्जन एक निश्चित मात्रा में होता है और उत्सर्जन करने वाली इकाई उसी अनुपात में पेड़ों को महत्त्व देती है, तो कार्बन उत्सर्जन और अवशोषण की समानता के कारण उत्सर्जन को शून्य स्तर पर ले जाना आसान हो जाएगा। मगर मौजूदा दौर में जिस तरह से पर्यावरण को नुकसान पहुंचाया जा रहा है, उससे अब शून्य उत्सर्जन के बारे में सोचना सपना ही लगता है। फिलहाल दुनिया में केवल दो देश भूटान और सूरीनाम ही हैं, जहां कार्बन उत्सर्जन शून्य है। इसकी वजह वहां कम आबादी और चारों तरफ हरियाली है।

महज वादे करने और इरादे जताने भर से इस उत्सर्जन को शून्य पर लाना संभव नहीं है। छोटे-बड़े कई देशों ने संकल्प तो जताया, लेकिन उत्सर्जन रोकने के के ठोस उपाय नहीं किए। नतीजा अब पूरी दुनिया देख रही है। अगर ग्रीनहाउस गैसों का उत्सर्जन इसी तरह होता रहा, तो वर्ष 2050 तक पृथ्वी का तापमान दो डिग्री बढ़ जाएगा। यह पूरी दुनिया के लिए भयावह होगा। लोगों को भीषण सूखा से लेकर विनाशकारी बाढ़ का सामना करना पड़ेगा। हिमखंड और अधिक पिघलेंगे। समुद्र का जलस्तर बढ़ेगा। ऐसे में कई देशों के सामने अस्तित्व का संकट पैदा होगा।

दुनिया के 192 देश संयुक्त राष्ट्र कन्वेंशन का हिस्सा हैं। इनमें 137 देश शून्य उत्सर्जन का समर्थन करते हैं। देखा जाए, तो कुल ग्रीनहाउस उत्सर्जन में इनकी हिस्सेदारी 80 फीसद है। इनमें सबसे ज्यादा उत्सर्जन करने वाले चीन और अमेरिका भी इसी में शामिल हैं। चीन ने वर्ष 2026 तक शून्य उत्सर्जन का लक्ष्य रखा है, लेकिन इस मामले में वह कितना खरा उतरेगा, कहना मुश्किल है। दूसरी ओर, जर्मनी और स्वीडन जैसे देश 2045 तक, जबकि आस्ट्रिया, फिनलैंड और उरूग्वे ने अलग-अलग समय में शून्य उत्सर्जन का लक्ष्य रखा है।

कई देश वर्ष 2050 तक शून्य उत्सर्जन का लक्ष्य रखते हैं अमेरिका के अलावा ऐसे कई देश हैं जो इस मामले में कहीं आगे जाकर वर्ष 2050 तक शून्य उत्सर्जन का लक्ष्य रखते हैं। इस बीच सुखद यह है कि जलवायु परिवर्तन की इस चुनौती के बीच भारत के वन क्षेत्र में वर्ष 2021 के दौरान तीन फीसद से अधिक बढ़ोतरी हुई। वैसे भारत जलवायु परिवर्तन को लेकर दूसरे देशों के मुकाबले कहीं अधिक चिंतित है। इस समय वह नवीकरणीय ऊर्जा पर विशेष जोर दे रहा है।

संयुक्त राष्ट्र जलवायु परिवर्तन सम्मेलन (काप-26) में भारत ने इस मामले में अपना पक्ष रखा था। अभी सबसे बड़ी चुनौती यह है कि वर्ष 2030 तक गैर जीवाश्म ऊर्जा को किसी भी तरह कम किया जाए। दूसरा यह कि अपनी 50 फीसद ऊर्जा जरूरतों को नवीकरणीय ऊर्जा से कैसे पूरा किया जाए। वहीं कार्बन उत्सर्जन को भी कम करते जाना है।

इसके अलावा, वर्ष 2070 तक शून्य उत्सर्जन हासिल करने का लक्ष्य तो है ही। हालांकि समय की कसौटी पर कौन कितना खरा उतरेगा, यह तो समय ही बताएगा, लेकिन कार्बन उत्सर्जन से पर्यावरण को कितना नुकसान हुआ है, यह अब पूरी दुनिया में दिखने लगा है। वित्त वर्ष 2025-26 के बजट में हरित विकास पर जोर दिया गया है। जिसका मुख्य उद्देश्य भारत को स्वच्छ ऊर्जा में अग्रणी बनाना और वर्ष 2030 तक गैर-जीवाश्म ऊर्जा क्षमता हासिल करना है।

बजट में नवीकरणीय ऊर्जा के लिए भी बड़ी राशि आबंटित की गई है और ग्रीन हाइड्रोजन, इलेक्ट्रानिक वाहनों तथा परमाणु ऊर्जा के माध्यम से कार्बन उत्सर्जन कम करने वाली परियोजनाओं को प्राथमिकता दी गई है। इस वर्ष के बजट में पर्यावरण संबंधी चिंताओं को दूर करने की पहल दिखती है। हरित ऊर्जा गलियारा, परमाणु ऊर्जा पर जोर और हरित बुनियादी ढांचा- ये सब ऐसे संदर्भ हैं, जिस पर भारत 'पृथ्वी प्रथम' की नीति को महत्त्व देता है। जबकि कुछ ताकतवर देश अपनी नीतियों में 'देश प्रथम' को महत्त्व दे रहे हैं। नतीजा यह कि इसकी कीमत शेष देश चुका रहे हैं। भारत की अपनी चिंताएं और चुनौतियां दुनिया भर के देश अगर किसी भी तरह जल्दी अथवा धीरे-धीरे ही सही कार्बन उत्सर्जन कम करने का संकल्प करें, तो न केवल पृथ्वी, बल्कि पर्यावरण को भी बचाया जा सकता है। यह निराशाजनक ही है कि कार्बन उत्सर्जन पर लगाम के मुद्दे पर दुनिया के देशों में कागजी एकजुटता तो देखने को मिलती है, लेकिन जमीनी स्तर पर वे सार्थक पहल करते नहीं दिखते। वहीं विकसित और विकासशील देशों के बीच नाहक ही इस मुद्दे पर आरोप-प्रत्यारोप चलता रहता है। सभी को सोचना होगा कि भौगोलिक सीमाओं में बेशक सभी देश बंटे हुए हैं, लेकिन धरती तो एक ही है और सभी को मिल कर उसे बचाना है। दुनिया को यह सोचना पड़ेगा कि 'राष्ट्र प्रथम' की नीति लेकर नहीं, बल्कि वैश्विक सुशासन के साथ काम करना होगा। फिलहाल भारत की अपनी चिंताएं और चुनौतियां हैं। अगर यह कार्बन उत्सर्जन पर सख्ती से कदम उठाता है, तो इसके दूरगामी परिणाम सामने आ सकते हैं। सच भी है कि अन्य विकसित और विकासशील देशों की तुलना में भारत कार्बन उत्सर्जन के मामले में संयमित देश है और यह अपने संकल्प को पूरा करने की कोशिश करता है। पश्चिमी राजस्थान में सौर ऊर्जा परियोजनाओं के लिए बड़ी संख्या में राज्य वृक्ष 'खेजड़ी' को काटे जाने और गांवों की चरागाह भूमि के अधिग्रहण का व्यापक स्तर पर विरोध होना कोई सामान्य घटना नहीं है। स्थानीय लोगों की ओर से इन दरख्तों की सुरक्षा सुनिश्चित करने और पारंपरिक चरागाहों के संरक्षण की मांग ने एक नया सवाल खड़ा कर दिया है कि जिस सौर ऊर्जा को पर्यावरण हितैषी माना जाता है, क्या उसी के लिए पर्यावरण को नुकसान पहुंचाना उचित है?

कुछ तो शर्म करते, हार के बाद दर्द में था पूरा देश, हंस रहे थे कप्तान सूर्यकुमार यादव

साउथ अफ्रीका के खिलाफ मिली हार ने पूरे भारत को दर्द दिया, लेकिन कप्तान सूर्यकुमार यादव ने ऐसा दिखाया जैसे कुछ हुआ ही ना हो। वो शायद भूल गए कि उन्होंने तिलक वर्मा को टीम से बाहर कर दें तो साहब साउथ अफ्रीका के खिलाफ उन्होंने क्या कर लिया ये हम सबने देख लिया। सूर्यकुमार यादव मैच से पहले भी प्रेस कांफ्रेंस

एक ऐसा मैच गंवाया है जिसकी वजह से वो सेमीफाइनल में पहुंचने से चूक भी सकते हैं।

हंसना सेहत के लिए अच्छा है, खूब हंसिए, हमेशा हंसिए, लेकिन उस वक्त मत हंसिए जब पूरा देश दर्द में हो। ये हंसना सबकी तकलीफ और बढ़ा गया और ऐसा किया भारतीय कप्तान सूर्यकुमार यादव ने। साउथ अफ्रीका के खिलाफ सुपर 8 के मैच के बाद जब सूर्यकुमार यादव प्रजेंटेशन के लिए मैदान पर आए वो तब भी हंस रहे थे मानो कुछ हुआ ही ना हो। मानो उनके हाथ कोई खजाना लग गया है।

वहीं भारत को हराने के बाद जब साउथ अफ्रीका के कप्तान एडन मार्करम प्रजेंटेशन में आए तब उनके चेहरे पर गंभीरता थी। वो चाहते तो सूर्यकुमार से ज्यादा हंस सकते थे, लेकिन वो गंभीर नजर आए मानो कह रहे हों कि अभी मिशन कंप्लीट नहीं हुआ है। अभी आगे का सफर बाकी है और उसके बाद ही हमारे लिए खुशियां आएंगी।

अब बात सूर्यकुमार यादव की कर लेते हैं। याद करिए अहमदाबाद में मुकाबले से पहले जब सूर्यकुमार यादव प्रेस कांफ्रेंस में आए थे तब वो पत्रकारों के सवालों का इस तरह से जवाब दे रहे थे मानो उनकी टीम के सामने कोई कुछ है ही नहीं। सवाल जब संजू सैमसन को टीम में जगह देने की हुई तो हंसते हुए कहा कि तो क्या अभिषेक और में हंसते हुए नजर आ रहे थे और वो खुद काफी आत्मविश्वास में नजर आए और उन्होंने खिलाड़ियों का पक्ष भी लिया। उस वक्त ये हंसी अच्छी लगी क्योंकि टीम को साउथ अफ्रीका के खिलाफ मैच खेलना था, लेकिन जब मैच हुआ और भारत को टी20 वर्ल्ड कप की सबसे बड़ी हार (रन के लिहाज से) मिली तब सूर्यकुमार की हंसी चुभी। अरे हारने के बाद कुछ तो गंभीर रहते इस बात के प्रति की हमें भी ये हार बुरी लगी है और हमें इससे निराशा मिली है। आप हंस के क्या दिखाना चाह रहे थे कि अरे इस हार का कोई असर हम पर नहीं है, लेकिन ऐसा नहीं है। आप अब इस स्थिति में हैं कि सेमीफाइनल से बाहर हो सकते हैं। ओवरऑल भारतीय कप्तान सूर्यकुमार यादव को सबसे पहले अपने अति आत्मविश्वास का त्याग करना होगा और अपनी कप्तानी को भी पॉलिश करनी होगी कि आपको किस स्थिति में क्या करना है। साउथ अफ्रीका के खिलाफ जब भारतीय गेंदबाजो की पिटाई हो रही थी तब कप्तान को सूझ ही नहीं रहा था कि किसे गेंदबाजी के लिए लगाएं। अभी भारत की सेमीफाइनल में पहुंचने की संभावना पूरी तरह से समाप्त नहीं हुई है, लेकिन इसके लिए भारत को बेहद ठोस प्लान के साथ उतरना होगा क्योंकि जिम्बाब्वे और वेस्टइंडीज की टीम भी अच्छी क्रिकेट खेल रही है।

तकनीक के जरिए मातृभाषाओं को बचाने की जरूरत

मातृभाषाओं के लुप्त होने की कई अन्य वजहें भी हैं। भाषाशास्त्रियों के मुताबिक, व्यक्तिवादी दर्शन, उपभोक्तावाद, सामाजिक-सांस्कृतिक मूल्यों में आ रहे बदलाव, और शहरीकरण के साथ ही पारंपरिक मूल्यों के प्रति घटती निष्ठा और रोजगार के साधनों के रूप में भाषाओं की घटती संख्या भी मातृभाषाओं के खात्मे की वजह बना है। तकनीकी दौर में मातृभाषाएं सबसे ज्यादा संकट में हैं। इसकी वजह यह है कि मातृभाषाओं को बोलना भी तकनीक से प्रभावित हो रहा है और लेखन तो पूरी तरह उसी पर निर्भर हो गया है। तकनीक की खासियत कहें या कमी, वह बाजार के लिहाज से खुद को विकसित करती है और अपने उत्पादों के लिए इसी नजरिए से शोध करती है।

(उमेश चतुर्वेदी)

चूंकि मातृभाषाओं में कई ऐसी हैं, जिन्हें बोलने या जिनका इस्तेमाल करने वालों की संख्या बेहद कम है, इसलिए उनसे कमाई की संभावना कम है। चूंकि तकनीकी विकास में काफी धन लगता है, और मातृभाषाओं के एक हिस्से से कमाई की गुंजाइश नहीं दिखती, इसलिए तकनीक उनके सहज इस्तेमाल में दिलचस्पी नहीं दिखाती। इसलिए मातृभाषाओं की बड़ी संख्या लुप्त होने के कगार पर हैं। भारत को ही देखिए। साल 1961 की जनगणना के आंकड़ों के लिहाज से भारत में 1652 भाषाएं थीं। लेकिन सिर्फ दस साल बाद यानी 1971 में यह संख्या घटकर महज 808 रह गई। ऐसा बदलाव तब हुआ, जब तकनीक का बोलबाला नहीं था। लेकिन अब बात उससे भी आगे बढ़ चुकी है। 2013 के भारतीय लोकभाषा सर्वेक्षण के अनुसार, विगत 50 वर्षों में 220 भाषाएँ जहां लुप्त हो गई हैं, वहीं 197 भाषाएँ खत्म होने की कगार पर हैं।

मातृभाषाओं के लुप्त होने की कई अन्य वजहें भी हैं। भाषाशास्त्रियों के मुताबिक, व्यक्तिवादी दर्शन, उपभोक्तावाद, सामाजिक-सांस्कृतिक मूल्यों में आ रहे बदलाव, और शहरीकरण के साथ ही पारंपरिक मूल्यों के प्रति घटती निष्ठा और रोजगार के साधनों के रूप में भाषाओं की घटती संख्या भी मातृभाषाओं के खात्मे की वजह बना है। इसके बावजूद कुछ अपवादों को छोड़ दें तो मातृभाषाओं को लेकर कुछ इलाकों में सम्मोहन बरकरार है। शायद यही वजह है कि इस बार के अंतरराष्ट्रीय मातृभाषा दिवस के लिए यूनेस्को ने जो थीम रखा है, वह बेहद अहम जान पड़ता है। यह थीम है, 'भाषाओं का महत्व- रजत जयंती और सतत विकास'। इस थीम का ध्येय वाक्य 'अनेक भाषाएँ, एक भविष्य' है। पूर्वी बंगाल में 1952 में शहीद हुए भाषा आंदोलनकारियों की याद में अंतरराष्ट्रीय मातृभाषा दिवस मनाने की शुरूआत की पिछले साल यानी 2025 में रजत जयंती थी। तब यूनेस्को ने इस दिवस को भाषाई विविधता, डिजिटल सशक्तिकरण और समावेशी शिक्षा के माध्यम से सतत विकास पर जोर देने पर केंद्रित किया था। अंतरराष्ट्रीय मातृभाषा दिवस पर हर साल यूनेस्को किसी न किसी अहम विषय को ध्येय बनाता है और उस नजरिए से पूरे साल भाषाई विविधता को विकसित करने और उन्हें लागू करने पर जोर देता है। इस बार के ध्येय वाक्य से साफ है कि यूनेस्को चाहता है कि विश्व के सतत विकास में मातृभाषाओं की महत्ता को रेखांकित किया जाए। मातृभाषाएं एक तरह से भाषायी लोकतंत्र को रचती हैं। इस लोकतंत्र को बचाए बिना विविधरंगी संसार को नहीं बचाया जा सकता। सोचिए, अगर उपभोक्तावाद, व्यक्तिवाद और तकनीकी वर्चस्व की वजह से एक रस और एक भाषायी संसार तैयार हो जाए तो दुनिया कितनी नीरस होगी, ज्ञान के तमाम स्रोत तब या तो सूख चुके होंगे या फिर भुला दिए गए होंगे। इसलिए मातृभाषाओं को बचाना और उन्हें सांस्कृतिक लोकतंत्र के प्रतीक के रूप में जिंदा रखना जरूरी हो जाता है। यूनेस्को की ओर से घोषित 'भाषाओं का महत्व ङ्क रजत जयंती और सतत विकास' विषय, एक तरह से भाषायी विविधता, बहुभाषावाद और सतत विकास के बीच गहरे संबंधों को ही रेखांकित करता है। चूंकि यूनेस्को ने मातृभाषाओं को संरक्षित करने, भाषायी विविधता को जिंदा रखने और उन पर रश्क करने के साथ ही शिक्षा के स्तर को सुधारने के लिए प्रयासरत है, इसलिए वह लगातार भाषाओं को बचाने का संदेश दे रहा है। दुनिया में इन संदेशों को सुना और समझा भी जा रहा है। चूंकि भाषाएँ सिर्फ संवाद का साधन ही नहीं होतीं, बल्कि सतत विकास लक्ष्यों को हासिल करने का अहम औजार भी हैं, लिहाजा प्राथमिक शिक्षा में उन पर जोर दिया जा रहा है। 2020 में आई भारत की नई शिक्षा नीति में भी मातृभाषाओं में शिक्षा- विशेषकर प्राथमिक शिक्षा पर जोर दिया गया है। दुनियाभर के शिक्षाशास्त्री मानते हैं कि मातृभाषा आधारित शिक्षा समावेशी होती है और बच्चों की समझ को बेहतर बनाने में मददगार होती है। इतना ही नहीं, इसके चलते बच्चे की सीखने की प्रक्रिया भी तेज होती है। मातृभाषा आधारित बहुभाषी शिक्षा के भी नतीजे बेहतर होते हैं। चूंकि सतत विकास में शिक्षा का स्थान अहम है और मातृभाषा आधारित शिक्षा बेहतरीन होती है, यही वजह है कि सतत विकास के लक्ष्यों को अब मातृभाषा के जरिए मिलने वाली शिक्षा में गंभीरता से खोजा जा रहा है। इसीलिए दुनिया एक बार फिर मातृभाषाओं के जरिए शिक्षा की ओर उन्मुख होती दिख रही है। जैसे-जैसे अधिकाधिक भाषाएँ विलुप्त होती जा रही हैं, भाषायी विविधता खतरे में पड़ती जा रही है। संयुक्त राष्ट्र के अनुसार, विश्व की 40 प्रतिशत आबादी को उस भाषा में शिक्षा प्राप्त करने का अवसर नहीं मिल रहा है, जिन्हें वे बोलते या समझते हैं। मातृभाषाओं का संरक्षण इसलिए भी जरूरी है कि स्थानीय समाज उनके जरिए शिक्षा हासिल कर सकें।

मातृभाषा व्यक्ति के सर्वांगीण विकास, सांस्कृतिक पहचान और बौद्धिक नींव की आधारशिला है। यह सोचने, समझने और संवाद करने का सबसे सहज माध्यम है, जो बच्चे को उसकी विरासत से जोड़ती है। मातृभाषा में शिक्षा से आत्मविश्वास बढ़ता है, संज्ञानात्मक कौशल विकसित होते हैं, और दूसरी भाषाएं सीखना आसान हो जाता है।

मातृभाषा में शिक्षा से बच्चे की अवधारणाओं को समझने की क्षमता तेज होती है और रचनात्मकता बढ़ती है। मातृभाषा संस्कृति, परंपराओं और इतिहास को अगली पीढ़ी तक पहुँचाने का मुख्य माध्यम है। व्यक्ति अपने विचारों, भावनाओं और संवेदनाओं को मातृभाषा में सबसे अच्छी तरह व्यक्त कर सकता है, जिससे मानसिक स्पष्टता आती है।

शिक्षा शास्त्रियों के अनुसार, जिन बच्चों की नींव मातृभाषा में मजबूत होती है, मातृभाषाओं से इतर भाषाओं में भी उनका प्रदर्शन बेहतर होता है। मातृभाषाएं परिवार और समुदाय से एक मजबूत भावनात्मक संबंधों की गारंटी भी होती हैं।

दुनिया की हर मातृभाषा अपनी संस्कृति, परंपरा और इतिहास की संवाहक है। इसी वजह से दुनियाभर के मानवशास्त्री मानते हैं कि सांस्कृतिक संरक्षण के लिए भाषायी विविधता का संरक्षण जरूरी है। इतना ही नहीं, मातृभाषाएँ आपसी समझ, सम्मान और सहयोग को भी बढ़ावा देती हैं, इस लिहाज से वे समावेशी समाज के निर्माण में भी सहायक मानी जाती हैं। मानवशास्त्रियों के अनुसार, स्थानीय भाषाएँ ज्ञान का खजाना हैं, जिन्हें आने वाली पीढ़ियों के लिए संरक्षित किया जाना आवश्यक है। इसीलिए यूनेस्को का मानना है कि सतत विकास के लक्ष्यों को हासिल करने के लिए भाषायी विविधता और बहुभाषावाद का उपयोग सहयोगी हो सकता है। इससे विश्व स्तर पर समावेशी विकास को बढ़ावा मिल सकता है। इसलिए जरूरी है कि मातृभाषाओं को तकनीक के लिहाज से विकसित किया जाए। यह कार्य सार्वजनिक संस्थान और सरकारें ही कर सकती हैं। लेखक वरिष्ठ पत्रकार एवं स्तम्भकार हैं(इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)

किसानों का 10,000 करोड़ रुपए एक मुश्त भुगतान

पखांजूर। कृषि, राजस्व, सहकारिता एवं संबंधित विभाग द्वारा विकासखंड कोयलीबेड़ा, जिला उत्तर बस्तर कांकेर अंतर्गत कृषक उन्नति योजना के तहत आदान सहायता राशि वितरण समारोह का आयोजन सद्भावना भवन पखांजूर में किया गया। कार्यक्रम में क्षेत्रीय विधायक विक्रम उसेंडी मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। साथ ही भाजपा के तीनों मंडल अध्यक्षों सहित जनप्रतिनिधि, पार्टी कार्यकर्ता एवं बड़ी संख्या में कृषक एवं आम नागरिक उपस्थित रहे। कार्यक्रम के दौरान पात्र किसानों को योजना के तहत आदान सहायता राशि प्रदान की गई। अपने संबोधन में विधायक विक्रम उसेंडी ने कहा कि राज्य सरकार किसानों की आय बढ़ाने और कृषि को लाभकारी बनाने के लिए प्रतिबद्ध है। कृषक उन्नति योजना किसानों को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है। समारोह के दौरान बिलासपुर में आयोजित राज्य स्तरीय कार्यक्रम

का लाइव टेलीकास्ट भी पखांजूर के कार्यक्रम स्थल पर प्रदर्शित किया गया, जिसे उपस्थित जनप्रतिनिधियों, पार्टी कार्यकर्ताओं एवं आमजनों ने उत्साहपूर्वक देखा। लाइव प्रसारण के माध्यम से प्रदेश नेतृत्व के संदेश एवं योजनाओं की विस्तृत जानकारी किसानों तक पहुंचाई गई। उक्त कार्यक्रम में भाजपा जिला उपाध्यक्ष दीपांकर दत्ता, नगर पंचायत पखांजूर के अध्यक्ष नारायण शाह, उपाध्यक्ष शंकर सरकार, जिला पंचायत सदस्य सुनीता मंडल, दीपांकर राय, आदि पार्टी के तमाम पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता क्षेत्र के हजारों किसान उपस्थित रहे।

केशकाल में सीएम कार्यक्रम की हुई फजीहत अव्यवस्थाओं पर भड़के किसान और जनप्रतिनिधि

केशकाल। जनपद पंचायत के सभाकक्ष में आयोजित 'मुख्यमंत्री किसान उन्नत योजना' का कार्यक्रम भारी अव्यवस्थाओं और प्रशासनिक लापरवाही के कारण विवादों में घिर गया। किसानों के हित में आयोजित इस महत्वपूर्ण कार्यक्रम में पहले स्थल परिवर्तन, फिर तकनीकी खामियों और बदहाल व्यवस्थाओं ने सरकार की छवि पर सवाल खड़े कर दिए। कार्यक्रम का आयोजन जनपद पंचायत केशकाल के सभा कक्ष में किया गया था, जहां बड़ी संख्या में किसान और जनप्रतिनिधि पहुंचे थे। लेकिन कार्यक्रम शुरू होते ही कुप्रबंधन की परतें खुलने लगीं। राजनीतिक हलकों में इस घटना को लेकर चर्चा तेज हो गई है।

भाषण से पहले ठप हुई बिजली- कार्यक्रम की औपचारिक शुरुआत के बाद मुख्यमंत्री के संबोधन का प्रसारण होना था, लेकिन उससे ठीक पहले बिजली आपूर्ति ठप हो गई। अचानक अंधेरा छा जाने से सभा कक्ष में अफरा-तफरी मच गई। ध्वनि व्यवस्था बंद हो गई और स्क्रीन पर प्रसारण रुक गया। मौके पर मौजूद किसानों ने सवाल उठाया कि जब यह कार्यक्रम मुख्यमंत्री स्तर का था, तो बैकअप व्यवस्था क्यों दुरुस्त नहीं रखी गई? जनरेटर की व्यवस्था भी नहीं की गई, जिससे लोगों में आक्रोश बढ़ता गया।

नाराज जनप्रतिनिधि बीच कार्यक्रम से लौटे- व्यवस्थाओं की बदहाली को लेकर भारतीय जनता पार्टी के स्थानीय पदाधिकारी खुलकर नाराज दिखे। भाजपा नेता भूपेश चंद्राकर, वीरेंद्र बघेल, संतोष सिन्हा, अशोक नेताम और छेदु मंडावी सहित कई कार्यकर्ता और किसान बीच कार्यक्रम से ही उठकर रवाना हो गए। नेताओं का कहना था कि किसानों से जुड़े कार्यक्रम में इस तरह की लापरवाही न सिर्फ प्रशासनिक उदासीनता को दर्शाती है, बल्कि यह किसानों के सम्मान के साथ भी खिलवाड़ है।

कार्यक्रम में पहुंचे जनप्रतिनिधि भुपेश चंद्राकर व वीरेंद्र बघेल ने कहा कि किसानों ने बैठने की अव्यवस्था, पेयजल की कमी और सूचना प्रबंधन में खामियों को लेकर किसान नाराज हुए हैं। न तो उन्हें समय पर सही जानकारी नहीं दी गई और कार्यक्रम की तैयारी आधी-अधूरी थी। संबंधित अधिकारी- कर्मचारियों की लापरवाही के कारण सरकार की छवि धूमिल हुई है। उनका कहना था कि यदि प्रशासनिक अमला गंभीरता से तैयारी करता, तो यह स्थिति उत्पन्न नहीं होती।

कलेक्टर ने लिया संज्ञान- इस संबंध में नूपुर राशि पन्ना, कलेक्टर कोंडागांव, ने संज्ञान लिया है। उन्होंने कहा कि स्थानीय जनप्रतिनिधियों के माध्यम से कार्यक्रम की अव्यवस्थाओं के संबंध में शिकायत प्राप्त हुई है। पूरे मामले की जांच कराई जाएगी और दोषी अधिकारी-कर्मचारियों पर कार्रवाई की जाएगी।

भाजपा सरकार में ही भाजपा नेता नाराज- गौरतलब है कि प्रदेश में वर्तमान में भारतीय जनता पार्टी की सरकार है और मुख्यमंत्री भी भाजपा के ही हैं। इसके बावजूद भाजपा के स्थानीय जनप्रतिनिधियों का सार्वजनिक रूप से नाराज होकर कार्यक्रम छोड़ देना और दोषी अधिकारियों पर कार्रवाई की मांग करना, सरकार के लिए असहज स्थिति पैदा कर रहा है। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि यह मामला केवल एक कार्यक्रम की अव्यवस्था तक सीमित नहीं है, बल्कि यह प्रशासनिक समन्वय और जिम्मेदारी तय करने के सवाल को भी उजागर करता है। सत्ता पक्ष के ही नेताओं द्वारा कार्यवाही की मांग किए जाने से सरकार की किरकिरी हो रही है और स्थानीय प्रशासन की कार्यशैली पर गंभीर प्रश्नचिन्ह लग रहे हैं। बहरहाल कार्यक्रम भले ही औपचारिक रूप से संपन्न हो गया हो, लेकिन जिस उद्देश्य से इसे किसानों तक सरकार की योजनाओं का संदेश पहुंचाने के लिए आयोजित किया गया था। वह अव्यवस्थाओं की भेंट चढ़ता नजर आया। अब सबकी नजर इस बात पर है कि जांच के बाद वास्तव में जिम्मेदारी तय होती है या मामला केवल आश्वासन तक सीमित रह जाता है।

जिले की महिलाओं के हुनर ने बिखेरे आत्मनिर्भरता के रंग

नारायणपुर। जिले की ग्रामीण महिलाओं ने इस बार होली से पहले आत्मनिर्भरता के ऐसे रंग बिखेरे हैं, जिसकी चर्चा पूरे क्षेत्र में हो रही है। कृषि विज्ञान केंद्र नारायणपुर के वैज्ञानिक डॉ. दिव्येंदु दास के मार्गदर्शन में कार्य कर रही 'राधा कृष्ण स्व-सहायता समूह' की महिलाओं ने प्राकृतिक एवं हर्बल गुलाल निर्माण में उल्लेखनीय सफलता हासिल की है। समूह को रायपुर से 6 क्विंटल (600 किलोग्राम) गुलाल का बड़ा व्यावसायिक ऑर्डर प्राप्त हुआ है। जानकारी के अनुसार, पिछले वर्ष भी समूह ने 1 लाख 5 हजार रुपये का हर्बल गुलाल विक्रय किया था, जिससे सदस्यों को 7 से 8 दिनों में लगभग 12 हजार रुपये का शुद्ध लाभ हुआ था। इस वर्ष मिले बड़े ऑर्डर से समूह को लगभग 2 लाख रुपये तक की आय होने की उम्मीद है। बताया गया है कि पिछले पाँच वर्षों से कृषि विज्ञान केंद्र द्वारा इन महिलाओं को प्राकृतिक रंग निर्माण का प्रशिक्षण दिया जा रहा है।

केशकाल में प्रधानमंत्री आवास योजना का द्वितीय चरण शुरू, 45 नए आवास हुए स्वीकृत

केशकाल। नगर पंचायत केशकाल में प्रधानमंत्री आवास योजना के द्वितीय चरण की औपचारिक शुरुआत हो चुकी है। इस चरण में शासन द्वारा कुल 45 आवासों की स्वीकृति प्रदान की गई है। सभी वार्डों में चयनित हितग्राहियों को भुवन अनुज्ञा जारी कर दी गई है, जिसके बाद लाभार्थियों ने विधि-विधान से भूमि पूजन कर आवास निर्माण कार्य प्रारंभ कर दिया है। इस संबंध में मुख्य नगर पालिका अधिकारी नामेश्वर कावड़े ने बताया कि शासन की इस महत्वपूर्ण योजना को नगर के प्रत्येक जरूरतमंद व्यक्ति तक पहुंचाना प्रशासन का प्रमुख लक्ष्य है। उन्होंने जानकारी दी कि प्रथम चरण में लगभग 676 हितग्राहियों को योजना का लाभ दिया जा चुका है। अब द्वितीय चरण में भी अधिक से अधिक पात्र हितग्राहियों को लाभान्वित करने

का प्रयास किया जाएगा।

बिना पट्टे वाले भी हो सकेंगे लाभान्वित- योजना के तहत ऐसे लोग भी लाभ प्राप्त कर सकेंगे जो आबादी क्षेत्र में निवासरत हैं लेकिन जिनके पास भूमि का वैध पट्टा नहीं है। यदि वे शासन द्वारा निर्धारित मापदंडों और दिशानिर्देशों को पूरा करते हैं, तो उन्हें भी योजना का लाभ मिलेगा। आबादी भूमि के दस्तावेज के रूप में यदि हितग्राही संबंधित भूमि का संपत्ति कर, समेकित कर या बिजली बिल जैसे करों का भुगतान कर रहे हैं, तो वे पात्रता की श्रेणी में शामिल हो सकेंगे। नगर पंचायत प्रशासन का मानना है कि इस पहल से नगर के अधिक से अधिक जरूरतमंद परिवारों को पक्के आवास का सपना साकार करने का अवसर मिलेगा।

कलेक्टर ने पीएम श्री विद्यालय धनोरा का किया निरीक्षण

कोंडागांव। कलेक्टर नूपुर राशि पन्ना ने पीएम श्री विद्यालय धनोरा का निरीक्षण किया और शैक्षणिक गतिविधियों एवं सुविधाओं की विस्तृत समीक्षा की। कलेक्टर ने पीएम श्री योजना के अनुरूप व्यवस्थाएं सुनिश्चित कर विद्यार्थियों को उत्कृष्ट सुविधाएं उपलब्ध करने हेतु विभागीय अधिकारियों को निर्देशित किया। उन्होंने विद्यालय के कम्प्यूटर कक्ष, लाइब्रेरी, विज्ञान प्रयोगशाला सहित अन्य विभिन्न कक्षों का निरीक्षण किया। उन्होंने विद्यालय परिसर और सभी कक्षों की साफ-सफाई, म्यूजिक टीचर की व्यवस्था, बालिकाओं को आत्मरक्षा हेतु प्रशिक्षण और शैक्षणिक भ्रमण कार्यक्रम इत्यादि के सम्बद्ध में आवश्यक निर्देश दिए। कलेक्टर ने पीएमश्री योजनाओं की सफल क्रियान्वयन एवं समयावधि में कार्यों को पूर्ण करने हेतु कोर टीम का गठन किया गया। उन्होंने महाविद्यालय एवं विज्ञान प्रयोगशाला को व्यवस्थित करने तथा बाउंड्री निर्माण करने हेतु निर्देश दिया गया। मध्यान्ह रसोई कक्ष को सेड निर्माण एवं पूरी व्यवस्था हेतु

संजय सिंह बने अध्यक्ष जगदीश माहेश्वरी उपाध्यक्ष

सुकमा। जिले के पत्रकारों की एकजुटता और संगठनात्मक मजबूती की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल करते हुए सुकमा जिला प्रेस क्लब का सर्वसम्मति से गठन किया गया। नवगठित कार्यकारिणी में वरिष्ठ एवं सक्रिय पत्रकारों को विभिन्न दायित्व सौंपे गए हैं, जिससे संगठन को सशक्त और प्रभावी नेतृत्व मिल सके। संघ के अध्यक्ष पद पर संजय (रिंटू) सिंह भदौरिया को मनोनीत किया गया है। वहीं उपाध्यक्ष के रूप में अमन सिंह भदौरिया एवं जगदीश महेश्वरी को जिम्मेदारी सौंपी गई है। सचिव पद की जिम्मेदारी पवन शाहा को, सह सचिव के रूप में रफीक खान को तथा कोषाध्यक्ष के रूप में लीलाधर राठी को नियुक्त किया गया है। संगठन को अनुभवी मार्गदर्शन प्रदान करने हेतु पत्रकार पीसा राजेंद्र, जोगराज जैन, आशीष दुबे एवं राजा राठौर को संरक्षक की भूमिका में रखा गया है। उनके अनुभव और मार्गदर्शन से संघ को नई दिशा और मजबूती मिलने की उम्मीद जताई जा रही है। इसके अतिरिक्त 13

पत्रकारों को कार्यसमिति सदस्य के रूप में शामिल किया गया है, जो संगठन की गतिविधियों, कार्यक्रमों और पत्रकार हितों से जुड़े मुद्दों पर सक्रिय भूमिका निभाएंगे।नवगठित संघ ने स्पष्ट किया है कि पत्रकारों की सुरक्षा, सम्मान, अधिकारों की रक्षा और निष्पक्ष पत्रकारिता के संरक्षण के लिए सामूहिक प्रयास किए जाएंगे। साथ ही जिले में पत्रकारों के बीच समन्वय, संवाद और सहयोग की भावना को और मजबूत करने का संकल्प भी व्यक्त किया गया। जिले के पत्रकारों ने इस गठन को ऐतिहासिक बताते हुए उम्मीद जताई है कि सुकमा जिला पत्रकार संघ आने वाले समय में पत्रकार हितों की आवाज बुलंद करेगा और संगठनात्मक एकता का उदाहरण प्रस्तुत करेगा। कार्य समिति सदस्य डमरू राम, जयपाल सिंह, नवीन डांगडे,सुजीत वैदिक, राहुल राजपूत, समीर कीर्तन, ज्ञानेंद्र सिंह, अंकित चौहान, माड़वी पवन, राजकुमार श्रीवाने, गौरव सिंह राठौर,आदर्श शुक्ला, वरुण नायडू, मोहम्मद रफीक।

नक्सल गढ़ रही सिंगाराम पंचायत में पहली बार पहुंची सरपंचिन, गांव-गांव जाकर सुनी समस्याएं

कोंटा। ब्लॉक अंतर्गत ग्राम पंचायत सिंगाराम में पहली बार महिला सरपंचिन मड़कम दयावती के पंचायत पहुंचने से ग्रामीणों में उत्साह का माहौल देखा गया। पूर्व में नक्सल प्रभाव के कारण इस पंचायत को नक्सलियों का गढ़ माना जाता था और जनप्रतिनिधियों का गांव तक पहुंचना लगभग नामुमकिन था। अब नक्सलवाद के कमजोर पड़ने के बाद सरपंचिन स्वयं गांव-गांव जाकर लोगों की समस्याएं सुन रही हैं। सरपंचिन ने पंचायत के सभी आठ गांवों का दौरा कर मूलभूत सुविधाओं की स्थिति का जायजा लिया और कई समस्याओं पर मौके से ही जिला मुख्यालय में फोन कर समाधान के लिए चर्चा की। ग्रामीणों ने खुलकर शिक्षा, पेयजल, सड़क और वन अधिकार पट्टा से जुड़ी समस्याएं उनके सामने रखीं। किंदरेलपाड़ में शिक्षा विभाग के तहत बन रहा स्कूल भवन पिछले दो वर्षों से अधूरा पड़ा है, जिससे बच्चों की पढ़ाई प्रभावित हो रही है। भवन पूर्ण नहीं होने के कारण आंगनवाड़ी भवन और ग्रामीणों के घरों में बैठाकर बच्चों को पढ़ाना शिक्षकों की मजबूरी बन गई है। इसी तरह सिंगाराम में भी स्कूल भवन अधूरा है। कन्हाईपाड़ के पुजारी पारा एवं पटेल पारा में पीएचई विभाग द्वारा लगाए गए सोलर ड्यूल पंप से पानी टंकी तक नहीं पहुंच पा रहा है, जिसके कारण नल-जल योजना का लाभ ग्रामीणों को पर्याप्त मात्रा में नहीं मिल रहा है। इससे पेयजल संकट बना हुआ है। वहीं किंदरेलपाड़ और कन्हाईपाड़ के कई ग्रामीणों को अब तक वन अधिकार पट्टा नहीं मिलने से वे अपनी ही भूमि पर अधिकार से वंचित हैं और शासन की योजनाओं का लाभ लेने में परेशानी झेल रहे हैं। गोल्लापल्ली मुख्य मार्ग से सिंगाराम तक प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के तहत सड़क पंचायत तक पहुंच चुकी है।

नक्सलगढ़ गोगुण्डा में आत्मनिर्भरता की शुरुआत, बिहान से खुली पहली किराना

सुकमा। जिले के घोर नक्सल प्रभावित पहाड़ी ग्राम गोगुण्डा में अब बदलाव की बयार साफ दिखाई देने लगी है। गोगुण्डा में पहली बार किराना दुकान की शुरुआत हुई है, जिसे विद्या महिला संकुल संगठन के अंतर्गत राम स्व-सहायता समूह की सदस्य गंगी मुचाकी ने प्रारंभ किया है। राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन के तहत संचालित बिहान योजना के माध्यम से महिलाओं को स्वरोजगार से जोड़ने का परिणाम अब धरातल पर दिख रहा है। जिला प्रशासन के निर्देशन में संचालित प्रयासों से गांव में न केवल बिजली पहुंची है, बल्कि आर्थिक गतिविधियों को भी गति मिल रही है। गंगी मुचाकी द्वारा घर पर प्रारंभ की गई किराना दुकान से ग्रामीणों को अब दैनिक उपयोग की सामग्री के लिए दूर नहीं जाना पड़ेगा। इससे समय और संसाधनों की बचत होगी तथा स्थानीय स्तर पर रोजगार के अवसर भी बढ़ेंगे। दुब्बाटोटा क्लस्टर की पीआरपी मंजू कट्टम के मार्गदर्शन में समूह गठन से लेकर दुकान संचालन तक की प्रक्रिया पूरी की गई। प्रशासन का कहना है कि आने वाले समय में अन्य महिलाओं को भी स्वरोजगार से जोड़ा जाएगा।

ग्राम घोड़ाबत्तर में जनपद स्तरीय जागरूकता कार्यशाला संपन्न, योजनाओं की दी गई जानकारी

भानुप्रतापपुर। जनपद पंचायत भानुप्रतापपुर के अंतर्गत ग्राम घोड़ाबत्तर में शुक्रवार को 'वीबी जी राम जी' योजना के तहत एक दिवसीय जनपद स्तरीय कार्यशाला एवं जागरूकता सम्मेलन का सफल आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का मुख्य उददेश्य ग्रामीणों को शासन की कल्याणकारी योजनाओं से अवगत कराना और डिजिटल माध्यमों के प्रति जागरूक करना था। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में भाजपा मंडल अध्यक्ष दिगेश्वर खापर्डे एवं अन्य पदाधिकारी उपस्थित रहे। अतिथियों का स्वागत स्थानीय परंपरा के अनुसार किया गया।

योजनाओं और डिजिटल साक्षरता पर जोर - कार्यक्रम के दौरान मुख्य कार्यपालन अधिकारी जी.एल. चुरेन्द्र ने 'वीबी जी राम जी' योजना के उददेश्यों पर प्रकाश डाला। उन्होंने उपस्थित जनसमूह को योजना की बारीकियों से अवगत कराते हुए बताया कि कैसे ग्रामीण इसका लाभ उठा सकते हैं। तकनीक से जोड़ने के प्रयास में ग्रामीणों को

क्यूआर कोड के उपयोग के बारे में विस्तार से बताया गया। मुख्य अतिथियों के कर-कमलों से क्यूआर कोड का वितरण भी किया गया।

स्कूली बच्चों ने दिखाई प्रतिभा - जागरूकता अभियान के हिस्से के रूप में स्कूली छात्र-छात्राओं के लिए चित्रकला एवं निबंध प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। बच्चों ने अपनी कला और लेखनी के माध्यम से सामाजिक संदेश दिए। उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को अतिथियों द्वारा पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया. जिससे बच्चों में भारी उत्साह देखा गया।

प्रशासनिक अमले की मौजूदगी - इस महत्वपूर्ण कार्यशाला में जनपद पंचायत की कार्यक्रम अधिकारी सुमन कौर, समस्त पंचायत सचिव, तकनीकी सहायक तथा रोजगार सहायकों सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण जन उपस्थित रहे। कार्यक्रम के अंत में उपस्थित अमले ने शासन की योजनाओं को जमीनी स्तर तक पहुँचाने का संकल्प लिया।

एसडीओपी ने किया केशकाल थाना का प्रथम अर्द्धवार्षिक निरीक्षण, अभिलेखों व लंबित मामलों की हुई समीक्षा

केशकाल। अनुविभागीय अधिकारी पुलिस (एसडीओपी) केशकाल अरुण नेताम द्वारा थाना केशकाल का प्रथम अर्द्धवार्षिक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान थाना के समस्त पंजीयों का गहन अवलोकन किया गया। इस दौरान आर्म्स एवं एम्युनेशन पंजी, स्थायी वारंट की तामिली पंजी सहित अन्य आवश्यक अभिलेखों की जांच की गई। अभिलेखों के रख-रखाव और अद्यतन स्थिति की समीक्षा करते हुए आवश्यक दिशा-निर्देश भी दिए गए। निरीक्षण के दौरान थाना में लंबित अपराध, मर्ग, शिकायतों एवं गुमशुदा व्यक्तियों के मामलों की प्रगति की जानकारी ली गई। लंबित प्रकरणों के शीघ्र निराकरण के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए गए। एसडीओपी अरुण नेताम ने थाना स्टाफ को कार्य में पारदर्शिता, समयबद्ध कार्रवाई और रिकॉर्ड संधारण में सतर्कता बरतने के निर्देश दिए। इस दौरान केशकाल थाना प्रभारी निरी. विकास बघेल मौजूद रहे।

पशुपतिनाथ मंदिर की 15 वां स्थापना दिवस भक्तिभाव के साथ सम्पन्न, विशाल भण्डारे का किया गया आयोजन

किरंदुल। ग्राम पंचायत कोड़ेनार स्थित पशुपतिनाथ मंदिर कमेटी द्वारा मंदिर स्थापना के 15 वीं वर्षगांठ का आयोजन विधिवत पूजा अर्चना व हर्षोल्लास के साथ मनाई गई। सर्वप्रथम सुबह 10 बजे महामृत्युंजय मंत्र रुद्राभिषेक, पांच कुंडीय गायत्री महायज्ञ सम्पन्न हुआ जिसमें श्रद्धालुगण व गायत्री परिवार के सदस्य सम्मिलित हुए। तत्पश्चात दोपहर 01 बजे महाभण्डारे का आयोजन किया गया। जिसमें शहरी व ग्रामीण क्षेत्रों के सैकड़ों श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण किया।

नगर पंचायत का अल्टीमेटम

बकाया टैक्स भरें, वरना सार्वजनिक होगी सूची फिर करेंगे नीलामी

केशकाल। नगर पंचायत केशकाल ने बकाया करों की वसूली को लेकर अब तक का सबसे कड़ा रुख अपनाया है। राज्य शासन के निर्देशों के बाद प्रशासन ने स्पष्ट कर दिया है कि फरवरी माह के अंत तक टैक्स जमा नहीं करने वाले बड़े बकायादारों की सूची सार्वजनिक की जाएगी और उनकी चल-अचल संपत्ति की नीलामी कर वसूली की जाएगी। नगर पंचायत केशकाल के सीएमओ नामेश्वर कुमार कावडे ने जानकारी दी कि जिन करदाताओं ने पिछले वित्तीय वर्ष से संपत्ति कर, जलकर एवं दुकान किराया जैसे अनिवार्य शुल्कों का भुगतान नहीं किया है, उन्हें छत्तीसगढ़ नगर पालिका अधिनियम 1961 की

धारा 164 के तहत अंतिम नोटिस जारी किए जा चुके हैं। 01 मार्च 2026 से सभी बड़े बकायादारों के प्रकरण अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) न्यायालय में प्रस्तुत किए जाएंगे। धारा 165 के प्रावधानों के तहत न्यायालयीन प्रक्रिया प्रारंभ होते ही संबंधित करदाताओं की पेशी होगी और बकाया राशि की वसूली के लिए उनकी संपत्ति की कुर्की एवं नीलामी की कार्रवाई की जाएगी। प्रशासन की इस सख्ती से लंबे समय से कर अदायगी में लापरवाही बरतने वाले लोगों में हड़कंप मच गया है।सीएमओ नामेश कावड़े ने अपील करते हुए कहा कि हमारी राजस्व टीम लगातार करदाताओं के संपर्क में है।

वैधानिक और अदालती कार्रवाई की अप्रिय स्थिति से बचने के लिए समय रहते अपने करों का भुगतान करें। शहर के विकास में भागीदार बनें और अंतिम तिथि का इंतजार किए बिना बकाया राशि जमा कर सम्मानजनक नागरिक की भूमिका निभाएं।

होली से पहले किसानों को मिली बड़ी सौगात

कोण्डागांव। होली का त्योहार इस वर्ष किसानों के लिए केवल रंगों का नहीं, बल्कि समृद्धि और खुशहाली का संदेश लेकर आया है। राज्य सरकार द्वारा समर्थन मूल्य पर धान बेचने वाले किसानों को 3100 रुपये प्रति क्विंटल की दर से अंतर राशि होली से पूर्व एकमुश्त प्रदान की गई है। इससे किसानों में उत्साह और खुशी का माहौल है। यह राशि किसानों को आर्थिक राहत देने के साथ उनके आत्मविश्वास को भी मजबूत कर रही है। कोंडागांव जिले के ग्राम कतावंड के किसान अड़मा राम पोयाम ने बताया कि उन्होंने इस वर्ष धान खरीदी केंद्र में 150 क्विंटल धान बेचा था, जिसकी समर्थन मूल्य की राशि उन्हें पूर्व में ही उनके बैंक खाते में प्राप्त हो चुकी थी। अब होली से पहले अंतर राशि मिलने से वे बेहद खुश हैं। उन्हें लगभग 1 लाख 9 हजार रुपये की राशि प्राप्त हुई है। उन्होंने कहा कि इस राशि से वे अपने परिवार के साथ होली एवं मेले का त्योहार अच्छे से मना सकेंगे। ग्राम कुम्हारपारा के किसान ग्रीकचंद्र पटेल ने बताया कि वे 14 एकड़ में आधुनिक तरीके से धान की खेती करते हैं। इस सीजन उन्होंने 180 क्विंटल धान समर्थन मूल्य पर बेचा। उन्होंने कहा कि होली से पहले अंतर राशि मिलने से घर की आवश्यक जरूरतें पूरी करने के साथ-साथ आगामी खेती कार्यों में भी सुविधा होगी। त्योहार के समय यह राशि मिलना परिवार के लिए बड़ी राहत है।

संक्षिप्त समाचार

आंगनबाड़ी सहायिका भर्ती, दावा आपत्ति 11 मार्च तक

बिलासपुर। एकीकृत बाल विकास परियोजना बिल्हा अंतर्गत ग्राम पंचायत हथनी के आंगनबाड़ी क्र. 2 में सहायिका के रिक्त पद पर प्राप्त आवेदनों के जांच उपरांत दावा आपत्ति 11 मार्च 2026 तक मंगाये गये है। प्रकाशित सूची कार्यालय मुख्य कार्यपालन अधिकारी, जनपद पंचायत बिल्हा एवं कार्यालय एकीकृत बाल विकास परियोजना बिल्हा के सूचना पटल पर चस्पा कर दी गई है।

सखी वन स्टॉप सेन्टर में भर्ती, दावा आपित्त 5 से 12 मार्च तक

बिलासपुर। महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा सखी वन स्टॉप सेन्टर में विभिन्न रिक्त पदों पर भर्ती प्रक्रिया के तहत प्राप्त आवेदनों की जांच पूरी कर ली गई है। अब इन आवेदनों पर दावा-आपत्ति 5 मार्च से 12 मार्च 2026 तक पुराना कम्पोजिट बिल्डिंग के पीछे स्थित कार्यालय में स्वयं उपस्थित होकर प्रस्तुत कर सकते है। मूल्यांकन सूची जिले की वेबसाईट बिलासपुर डॉट जीओवी डॉट इन (द्धह्लह्लश्चह्य://ड्ढद्बद्यड्डह्यश्चह्वह्ड.द्दश1.द्बठ्ठ) में देखी जा सकती है। सखी वन स्टॉप सेंटर के लिए साइको-सोशल काउंसलर, केसवर्कर, पैरा लीगल कार्मिक-वकील, पैरा मेडिकल कार्मिक, कार्यालय सहायक तथा सुरक्षा गार्ड, नाइट गार्ड पदों के लिए 4 जुलाई से 18 जुलाई 2025 तक आवेदन आमंत्रित किए गए थे। निर्धारित समय सीमा के बाद प्राप्त किसी भी दावा-आपत्ति पर विचार नहीं किया जाएगा।

होली पर्व के दौरान शांति एवं कानून व्यवस्था बनाए रखने तैनात रहेंगे अफ़सर

बिलासपुर। होली पर्व के दौरान शांति एवं कानून व्यवस्था बनाए रखने तहसीलदार एवं कार्यपालिक दण्डाधिकारी की ड्यूटी विभिन्न थाना क्षेत्रों में लगाई गई है। कलेक्टर कार्यालय से मिली जानकारी के अनुसार तहसीलदार श्री प्रकाश साहू को सिविल लाईन एवं तारबहार, अतिरिक्त तहसीलदार श्रीमती गरिमा ठाकुर को सिरगिट्टी थाना क्षेत्र, अतिरिक्त तहसीलदार श्रीमती प्रकृति ध्रुव को कोनी एवं सरकंडा थाना क्षेत्र, अतिरिक्त तहसीलदार श्री आकाश गुप्ता को कोतवाली एवं तोरवा थाना क्षेत्र, नायब तहसीलदार श्री टोपलाल सिदार को पुलिस कंट्रोल रूम के लिए तैनात किया गया है।

दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे में संरक्षा सुदृढ़ीकरण हेतु वृहद प्रशिक्षण अभियान एवं सघन निरीक्षण

बिलासपुर। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे में संरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए महाप्रबंधक तरुण प्रकाश के मार्गदर्शन एवं प्रधान मुख्य संरक्षा अधिकारी अनूप कुमार सत्पथी के नेतृत्व में संरक्षा सुदृढ़ीकरण हेतु वृहद प्रशिक्षण अभियान निरंतर संचालित किया जा रहा है। इस अभियान के अंतर्गत माह जनवरीङ्कफरवरी 2026 के दौरान प्रशिक्षण, निरीक्षण एवं जागरूकता से जुड़ी अनेक व्यापक गतिविधियाँ आयोजित की गईं। इस क्रम में चालक दल एवं ट्रेन मैनेजरों के लिए गोंदिया लॉबी, शहडोल लॉबी तथा विद्युत लोको प्रशिक्षण संस्थान (ईएलटीसी), उसलापुर में विशेष सेमिनार आयोजित किए गए। इन सेमिनारों में क्रू मैनेजमेंट सिस्टम में असामान्यताओं की प्रविष्टि, कैब बदलने की प्रक्रिया, आरएस वाल्व का सुरक्षित संचालन तथा रेलवे बोर्ड के नवीनतम निर्देशों के अनुरूप गति नियंत्रण जैसे अत्यंत महत्वपूर्ण एवं व्यावहारिक विषयों पर गहन मंथन किया गया, जिससे मानवीय त्रुटियों को न्यूनतम कर रेल दुर्घटनाओं की रोकथाम सुनिश्चित की जा सके। संरक्षा सुदृढ़ीकरण अभियान के अंतर्गत फरवरी माह में बिलासपुरङ्कउमरिया एवं उमरियाङ्कशहडोल सेक्शन का विंडो ट्रेलिंग निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान ट्रैक की समग्र स्थिति, रेल जॉइंट, वेल्ड, बैलास्ट प्रोफाइल, पुल-पुलिया, समपार फाटक तथा सिग्नलिंग उपकरणों की गहन जाँच की गई। उमरिया यार्ड एवं स्टेशन निरीक्षण के दौरान यार्ड प्रबंधन, पॉइंट एवं क्रॉसिंग, ट्रैक अनुरक्षण व्यवस्था तथा संरक्षा उपकरणों की कार्यशीलता की विस्तृत समीक्षा की गई और कर्मचारियों को संरक्षा नियमों के अक्षरशः अनुपालन के निर्देश दिए गए। इसी क्रम में शहडोल स्टेशन पर दुर्घटना राहत ट्रेन (एआरटी) एवं दुर्घटना राहत चिकित्सा यान (एआरएमवी) की तत्परता, उपलब्ध संसाधनों तथा आपातकालीन प्रतिक्रिया क्षमता का परीक्षण किया गया। संबंधित अधिकारियों को यह सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए कि सभी आपदा राहत संसाधन सदैव पूर्णतः सज्ज एवं तत्पर अवस्था में उपलब्ध रहें। अभियान के दौरान अधिकारियों एवं कर्मचारियों के साथ आयोजित संरक्षा गोष्ठियों में यह दोहराया गया कि संरक्षित रेल संचालन का मूल आधार अनुशासन, सतर्कता, निरंतर प्रशिक्षण एवं नियमों के प्रति अटूट निष्ठा है। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे महाप्रबंधक के मार्गदर्शन एवं प्रधान मुख्य संरक्षा अधिकारी के नेतृत्व में वृहद प्रशिक्षण अभियान, नियमित निरीक्षण तथा सतत निगरानी के माध्यम से संरक्षा संस्कृति को और अधिक सुदृढ़ करते हुए सुरक्षित, भरोसेमंद एवं गुणवत्तापूर्ण रेल सेवाएँ सुनिश्चित करने के लिए निरंतर प्रयासरत है।

बिहान की दीदियों ने लगाया हर्बल गुलाल का स्टॉल

प्राकृतिक रंगो से बने गुलाल को मिल रहा अच्छा प्रतिसाद

बिलासपुर। होली के पावन पर्व को ध्यान में रखते हुए बिहान से जुड़ी स्व सहायता समूह की दीदियों ने जिला पंचायत कार्यालय के सामने हर्बल गुलाल का विशेष स्टॉल लगाया है। इस पहल को आम नागरिकों का अच्छा प्रतिसाद मिल रहा है। प्राकृतिक रंगों से तैयार यह गुलाल न केवल पर्यावरण के अनुकूल है, बल्कि त्वचा के लिए भी पूरी तरह सुरक्षित है। समूह की दीदियों ने महिलाओं के लिए विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं व छत्तीसगढ़ बजट में महिला समूहों के लिए किए गए प्रावधानों के लिए मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय का आभार जताया है। समूह की दीदी श्रीमती सीमा तिवारी और श्रीमती रिंकी श्रीवास ने बताया कि यह हर्बल गुलाल चकरभाठा क्षेत्र की राधा कृष्ण स्व सहायता समूह द्वारा तैयार किया गया है। गुलाल बनाने में अरारोट का उपयोग आधार सामग्री के रूप में किया गया है और इसमें ऐसे प्राकृतिक रंग मिलाए गए हैं, जो त्वचा को किसी प्रकार का नुकसान नहीं पहुंचाते। रासायनिक रंगों से होने वाली एलर्जी और त्वचा संबंधी समस्याओं को देखते हुए इस बार लोगों में हर्बल गुलाल के प्रति विशेष उत्साह देखा जा रहा है। लोग अपने बच्चों और परिवार की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए हर्बल गुलाल खरीदना पसंद कर रहे हैं। रंगों की गुणवत्ता, मुलायम बनावट और किफायती दाम के कारण ग्राहकों का रुझान लगातार बढ़ रहा है। दीदियों के अनुसार, यह स्टॉल 3 मार्च को भी जिला पंचायत कार्यालय के सामने लगाया जाएगा, ताकि अधिक से अधिक लोग सुरक्षित और प्राकृतिक गुलाल खरीद सकें। दीदियों ने बताया कि बिहान योजना से जुड़ने के बाद उनके जीवन में सकारात्मक बदलाव आया है। वे अब आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनी हैं और उनमें आत्मविश्वास भी बढ़ा है। समूह के माध्यम से शासन की ओर से मिलने वाली ऋण राशि से ग्रामीण महिलाएं विभिन्न आजीविका गतिविधियों के माध्यम से आर्थिक निर्भरता हासिल कर रही है। त्योहारों के समय ऐसे उत्पाद तैयार कर वे अतिरिक्त आय कमा रही हैं। साथ ही लोगों को हर्बल गुलाल का सुरक्षित विकल्प उपलब्ध करा रही हैं। महिला समूह की सदस्यों ने महिला सशक्तिकरण के लिए संचालित विभिन्न योजनाओं तथा हाल ही में छत्तीसगढ़ के बजट में महिला स्व सहायता समूहों के लिए किए गए विशेष प्रावधानों के लिए मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के प्रति आभार भी जताया।

मंडल रेल प्रबंधक सभाकक्ष में सेवा संकल्प प्रस्ताव का वाचन एवं चर्चा

बिलासपुर। रेल मंत्रालय के निर्देशानुसार आज मंडल रेल प्रबंधक सभाकक्ष में सेवा संकल्प प्रस्ताव का विधिवत वाचन किया गया। यह प्रस्ताव भारत सरकार द्वारा जनसेवा, पारदर्शिता, उत्तरदायित्व एवं सुशासन के संकल्प को सुदृढ़ करने के उद्देश्य से अंगीकृत किया गया है। इस अवसर पर मंडल रेल प्रबंधक श्री राकेश रंजन की अध्यक्षता में आयोजित बैठक में अपर मंडल रेल प्रबंधक (इन्फ्रा), अपर मंडल रेल प्रबंधक (परिचालन) सहित सभी शाखाधिकारी उपस्थित रहे। बैठक के दौरान प्रस्ताव का वाचन किया गया तथा इसके प्रभावी क्रियान्वयन हेतु विभिन्न बिंदुओं पर विस्तार से चर्चा की गई। अधिकारियों ने सेवा भाव, कार्यकुशलता, समयबद्धता एवं जनहित को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए अपने दायित्वों के निर्वहन का संकल्प दोहराया। मंडल रेल प्रबंधक श्री राकेश रंजन ने कहा कि सेवा संकल्प प्रस्ताव केवल एक औपचारिकता नहीं, बल्कि प्रत्येक रेलकर्मी के लिए जनसेवा के प्रति समर्पण और उत्तरदायित्व का प्रतीक है। उन्होंने सभी अधिकारियों से अपेक्षा की कि वे अपने-अपने कार्यक्षेत्र में इस संकल्प की भावना को व्यवहार में उतारते हुए यात्रियों एवं आमजन को बेहतर सेवाएं प्रदान करें। कार्यक्रम का समापन सामूहिक प्रतिबद्धता के साथ किया गया, जिसमें सभी अधिकारियों ने उत्कृष्ट सेवा एवं पारदर्शी कार्यप्रणाली के प्रति अपनी प्रतिबद्धता व्यक्त की।

होली पर्व के अवसर पर यात्रियों की सुविधा हेतु दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के प्रमुख रेलवे स्टेशनों पर अस्थायी प्रथम उपचार पोस्ट की स्थापना

बिलासपुर। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे द्वारा होली पर्व के दौरान यात्रियों की बढ़ती भीड़ को ध्यान में रखते हुए उनकी सुरक्षा, स्वास्थ्य एवं सुविधा सुनिश्चित करने के उद्देश्य से विशेष पहल की गई है। इसके अंतर्गत 01 मार्च 2026 से 07 मार्च 2026 तक प्रमुख रेलवे स्टेशनों इतवारी, गोंदिया, उसलापुर, रायगढ़, शहडोल, रायपुर एवं दुर्ग पर अस्थायी प्रथम उपचार पोस्ट स्थापित किए गए हैं। होली के अवसर पर रेल यात्रियों की संख्या में उल्लेखनीय वृद्धि होती है। ऐसे में यात्रियों की स्वास्थ्य संबंधी आवश्यकताओं को प्राथमिकता देते हुए इन प्रथम उपचार पोस्टों पर आवश्यक दवाइयाँ, प्राथमिक चिकित्सा उपकरण तथा प्रशिक्षित चिकित्सकीय कर्मियों की उपलब्धता सुनिश्चित की गई है। इन अस्थायी प्रथम उपचार केंद्रों का मुख्य उद्देश्य यात्रा के दौरान अस्वस्थ होने वाले, चोटिल होने वाले अथवा किसी भी आपात स्थिति में सहायता की आवश्यकता वाले यात्रियों को त्वरित एवं प्रभावी चिकित्सकीय सहायता प्रदान करना है। संपूर्ण अवधि के दौरान चिकित्सकीय दल 24 घंटे उपलब्ध रहेगा तथा गंभीर मामलों में निकटवर्ती रेलवे एवं सरकारी अस्पतालों के साथ समन्वय स्थापित कर शीघ्र उपचार सुनिश्चित किया जाएगा। होली पर्व के मद्देनज़र की गई यह विशेष स्वास्थ्य व्यवस्था यात्रियों की सुरक्षा एवं सुविधा के प्रति दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे की प्रतिबद्धता को दर्शाती है और यात्रियों को सुरक्षित, स्वस्थ एवं सुखद यात्रा अनुभव प्रदान करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

ग्राम पंचायत भरारी के कृषक कृषि उन्नत सम्मेलन कार्यक्रम में हुए सम्मिलित, किसानों को बोनस की राशि मिलने पर विष्णु देव सरकार को दिया धनवाद जताया आभार

बिलासपुर। तखतपुर विधानसभा क्षेत्र के ग्राम पंचायत भरारी में कृषि उन्नत सम्मेलन कार्यक्रम भाग लिए और किसानों को बोनस की राशि मिलने पर विष्णु देव सरकार को बहुत बहुत धनवाद दिए और होली के पहले राशि मिलने की खुशी में सभी किसान बहुत गदगद हुवे द्य कार्यक्रम में शामिल सरपंच पंच किसान सरपंच, उपसरपंच सचिव, देवदास मानिकपुरी, अश्वनी भास्कर, लव साहू, देवकांत भास्कर, रामखेलावनसाहू , चमरू केवट, संतोष साहू, देवराज सिंह, अशोक वस्त्रकार, संगीत दास,सुनील वस्त्रकर, राकेश साहू, रजनी कांत लहरें, कृष्णा उजागर, भानेश साहू, रामरतन साहू, हरिशंकर उजागर, संतोष, देवचरण, सरवन खूंटे,रामकुमार लहरें, सभी उक्त कार्यक्रम में शामिल हुए।

संस्थागत और औद्योगिक परिसरों में अग्नि सुरक्षा को लेकर प्रशासन गंभीर

■ राष्ट्रीय सुरक्षा दिवस पर तकनीकी व्याख्यान, प्रशिक्षण एवं जागरूकता पर जोर

बिलासपुर। राष्ट्रीय सुरक्षा दिवस के अवसर पर द इंस्टीट्यूशन ऑफ इंजीनियर्स छत्तीसगढ़ राज्य केंद्र द्वारा जिला प्रशासन के सहयोग से चेतना हॉल, पुलिस लाइन बिलासपुर में संस्थागत, वाणिज्यिक भवनों और उद्योगों में अग्नि सुरक्षा विषय पर कार्यशाला आयोजित किया गया। कार्यक्रम में प्रशासन और पुलिस विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों की सक्रिय भागीदारी रही, जिससे अग्नि सुरक्षा के प्रति प्रशासन की गंभीरता स्पष्ट रूप से परिलक्षित हुई।कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्ज्वलन से हुआ। राज्य केंद्र के अध्यक्ष इंजीनियर पुनीत चौबे ने स्वागत उद्बोधन में कहा कि आग से होने वाली दुर्घटनाओं की रोकथाम हेतु जागरूकता और तकनीकी प्रशिक्षण अत्यंत आवश्यक है। मुख्य वक्ता इंजीनियर अरविंद रस्तोगी ने हाल की अग्नि घटनाओं की केस स्टडी प्रस्तुत करते हुए आग लगने के प्रमुख कारणों, विभिन्न प्रकार की आग के लिए उपयुक्त अग्निशामक यंत्रों तथा कार्यविधि की जानकारी दी। उन्होंने फायर अलार्म सिस्टम की कार्यप्रणाली और इलेक्ट्रिक वाहनों में संभावित अग्नि जोखिमों पर भी विस्तार से प्रकाश डाला। संभाग आयुक्त श्री जैन ने कहा कि आधुनिक अग्नि सुरक्षा उपकरणों की स्थापना के साथ-साथ उनके सही संचालन का व्यावहारिक ज्ञान भी अनिवार्य है। आईजी श्री गर्ग ने डिजिटल माध्यमों से युवाओं में अग्नि सुरक्षा के प्रति जागरूकता बढ़ाने पर जोर दिया। कलेक्टर श्री अग्रवाल ने बहुमंजिला आवासीय परिसरों, अस्पतालों, वाणिज्यिक प्रतिष्ठानों एवं शासकीय भवनों के लिए विशेष प्रशिक्षण कार्यशालाओं के आयोजन की आवश्यकता बताई। कार्यक्रम में शैक्षणिक संस्थानों, इंजीनियरिंग कॉलेजों, चिकित्सकों, व्यवसायियों एवं तकनीकी विशेषज्ञों की उल्लेखनीय सहभागिता रही। अंत में मानद सचिव डॉ. अजय त्रिपाठी ने धन्यवाद ज्ञापित किया। कार्यक्रम का सफल संचालन सुश्री ज्योति बाला द्वारा किया गया।

दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के बिलासपुर मंडल में होली पर्व पर विशेष तैयारी

■ होली स्पेशल ट्रेनों का परिचालन, रियल-टाइम मॉनिटरिंग, सुरक्षा व सुविधा के व्यापक प्रबंध

बिलासपुर। आगामी होली त्यौहार के दौरान यात्रियों की बढ़ती भीड़ को ध्यान में रखते हुए भारतीय रेलवे द्वारा देशभर में व्यापक स्तर पर विशेष प्रबंध किए जा रहे हैं। इसी क्रम में भारतीय रेलवे ने सभी जोनों में कुल 1,244 होली स्पेशल ट्रेन ट्रिप्स का परिचालन प्रारंभ किया है, जिससे यात्रियों को सुगम, सुरक्षित एवं आरामदायक यात्रा सुविधा सुनिश्चित की जा सके। इसी कड़ी में दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे द्वारा अपने क्षेत्र से 22 फेरों की होली स्पेशल ट्रेनों का परिचालन किया जा रहा है 7 इसके अतिरिक्त 60 ट्रिप्स की होली स्पेशल ट्रेनें दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के विभिन्न स्टेशनों से होकर गुजरेंगी। इस प्रकार होली पर्व के दौरान दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के अंतर्गत कुल 82 होली स्पेशल ट्रेन ट्रिप्स यात्रियों की सुविधा के लिए उपलब्ध रहेंगी। मंडल रेल प्रबंधक श्री राकेश रंजन के मार्गदर्शन में बिलासपुर मंडल रेल प्रशासन द्वारा होली त्यौहार के दौरान यात्रियों की सुविधा, सुगम यात्रा एवं सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित करने के लिए व्यापक प्रबंध किए गए हैं । भीड़ के मद्देनजर प्लेटफार्मों एवं एफओबी सहित रेल परिसरों में यात्रियों की भीड़ को नियंत्रित करने के लिए कर्मचारियों को निर्देशित किया गया है। मंडल से गुजरने वाली सभी गाडियों में भीड़ की निगरानी की जा रही है साथ ही प्रमुख स्टेशनों पर भीड़ प्रबंधन के उचित कार्यान्वयन के लिए व्यापक व्यवस्थाएं की गई हैं । भीड़ प्रबंधन एवं सुरक्षा व्यवस्था मंडल के प्रमुख स्टेशनों एवं यात्री गाड़ियों में भीड़ प्रबंधन हेतु अतिरिक्त स्टाफ की तैनाती की गई है। सभी फ्रंट कर्मचारी 24×7 ड्यूटी पर रहकर अपने कार्य का निष्पादन कर रहे हैं। आरपीएफ एवं वाणिज्य विभाग की टीमें निरंतर निगरानी कर रही हैं।

सार्वजनिक घोषणा प्रणाली व डिजिटल संकेतकों के माध्यम से यात्रियों को ट्रेनों की सटीक जानकारी समय पर दी जा रही है। प्लेटफॉर्म, फुट ओवरब्रिज तथा कोचों के आसपास भीड़ नियंत्रण के लिए कर्मचारी तैनात किए गए हैं। यात्रियों को सुरक्षित बोर्डिंग के लिए प्रेरित किया जा रहा है — जैसे कि पहले उतरने वालों को उतरने दें, तत्पश्चात क्रमवार ट्रेन में चढ़ें तथा चलती ट्रेन में चढ़ने व उतरने से बचें आरपीएफ एवं वाणिज्य विभाग की टीम द्वारा लाउड हेलर व सीटी के माध्यम से भीड़ नियंत्रण किया जा रहा है। मंडल नियंत्रण कक्ष एवं वार रूम से रियल-टाइम मॉनिटरिंग के माध्यम से ट्रेन संचालन एवं भीड़ की स्थिति पर सतत नजर रखी जा रही है। सीसीटीवी के माध्यम से सतत निगरानी की जा रही है यात्रियों की सुविधा हेतु विशेष प्रबंध सभी प्रमुख स्टेशनों पर पर्याप्त प्रकाश व्यवस्था, पेयजल एवं स्वच्छता सुविधाएँ उपलब्ध कराई गई हैं। मंडल के बिलासपुर सहित प्रमुख स्टेशनों में यात्री ठहराव क्षेत्र का प्रावधान किया गया है । फर्स्ट-एड बूथ एवं मेडिकल की सुविधा उपलब्ध कराई गई है हेल्प डेस्क एवं अतिरिक्त टिकट चेकिंग स्टाफ की तैनाती की गई है।

डिजिटल टिकटिंग को प्रोत्साहन

यात्रियों की बढ़ती भीड़ को देखते हुए दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे बिलासपुर मंडल ने अनारक्षित टिकटिंग को और अधिक सरल व सुविधाजनक बनाने के उद्देश्य से एम-यूटीएस (रू-ञ्जस्) सेवा की शुरुआत की है। इसके माध्यम से बिलासपुर, उसलापुर, रायगढ़ एवं जांजगीर-नैला स्टेशनों में टिकटिंग कर्मचारी स्टेशन परिसर, प्रवेश द्वार अथवा प्लेटफॉर्म पर ही यात्रियों को अनारक्षित टिकट उपलब्ध करा रहे हैं। ऋड्डद्बह्लठ्ठद्ब श्चश्च के माध्यम से यात्रियों को बिना कतार में लगे अनारक्षित एवं प्लेटफॉर्म टिकट खरीदने के लिए प्रेरित किया जा रहा है मंडल स्तर पर इन डिजिटल प्लेटफॉर्मों के उपयोग को बढ़ाने हेतु जागरूकता अभियान भी चलाया जा रहा है । वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक श्री अनुराग कुमार सिंह ने कहा कि — त्योहारी मौसम में यात्रियों की सुरक्षा, सुविधा और संतुष्टि हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है।

होली पर्व के अवसर पर यात्रियों की सुविधा के लिए दुर्ग रायगढ़ दुर्ग के मध्य 04फेरे के लिए होली मेमू पैसेंजर स्पेशल ट्रेन की सुविधा

बिलासपुर। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे में होली पर्व के अवसर पर यात्रियों की सुविधा के लिए दिनांक 02, 03, 05 एवं 06 मार्च 2026 को गाड़ी संख्या 08834/08833 दुर्ग – रायगढ़ – दुर्ग के मध्य 04 फेरे के लिए होली मेमू पैसेंजर स्पेशल ट्रेन की सुविधा प्रदान की गई हैं। गाड़ी संख्या 08834 दुर्ग रायगढ़ मेमू पैसेंजर गाड़ी दुर्ग से 10:30 बजे रवाना होकर 10:36 बजे भिलाई नगर 10.43 बजे भिलाई पावर हाउस 10:50 बजे भिलाई 10.56 बजे देवबलोदा चरोदा, 11:09बजे कुम्हारी, 11:17 बजे सरोना 11.24 बजे सरस्वती नगर, 11.35 बजे रायपुर 11:45 बजे डब्ल्यूआरएस, 11:52 बजे उरकुरा, 12:00 मांडर,12:11 बजे सिलियारी, 12.21 बजे बैकुंठ 12:28 बजे तिल्दा नेवरा, 12.39 बजे हथबंद, 12:52 बजे भाटापारा, 13.05 बजे निपनिया, 13.15 बजे दगोरी, 13.23 बजे बिल्हा, 14.31 बजे चकरभाटा 14.37 बजे दाधापारा,15.10 बजे बिलासपुर, 15.28 बजे गतौरा, 15:40 बजे जयरामनगर, 15.53 बजे अकलतरा, 16:10 बजे जांजगीर-नैला, 16:30 बजे चांपा, 16:50 सारागांव देवरी, 17:03 बजे बाराद्वार, 17.18 बजे सक्ती, 17:30 झाराडीह, 17.40 बजे खरसिया, 17.58 बजे रॉबर्टसन, 18: 13 बजे भूपदेवपुर, 18.23 बजे किरोड़ीमल नगर।

उम्र के हिसाब से पीए दूध तभी मिलेगा फायदा

दूध एक ऐसा फूड् है, जिसमें कैल्शियम की भरपूर मात्रा होता है। इसके अलावा दूध में कई ऐसे पोषक तत्व होते हैं, जो हमारे शरीर को सुचारू रूप से चलाने का काम करते है। हमारा शरीर अनेक तरह की परेशानियों और बीमारियों से बचा रहता है। अगर किसी व्यक्ति को हड्डियों से जुड़ी प्रॉबल्म रहती है तो भी डॉक्टर्स उसे नियमित रूप से दूध पीने की सलाह देते है लेकिन बहुत से लोग ऐसे भी है, जो दूध की मात्रा को अपनी डाइट में बढ़ा या घटा देते है। परन्तु उम्र के हिसाब से दूध पीना बहुत जरूरी है। इससे शरीर को भरपूर पोषण मिलता है। आज हम आपको इसी के बारे में बताएंगे, कि किस उम्र में कितनी दूध की मात्रा लेनी चाहिए, ताकि शरीर को भरपूर कैल्शियम के साथ-साथ बाकी जरूरी तत्व भी मिल सकें।

0-6 महीना

इतने छोटे बच्चे को रोजाना 600 मिली दूध पिलाना जरूरी होता है। ऐसे में मां को चाहिए की बच्चे को इससे न तो कम और न ही ज्यादा दूध पिलाएं।

0-1 साल

वैसे तो सभी जानते है कि इस उम्र के बच्चे के लिए गाय,भैंस और पैकेट वाले दूध से अच्छा मां का दूध है। अगर किसी प्रॉबल्म के कारण मां बच्चे को फीड करवाने में असमर्थ है तो उस बच्चे के लिए फॉर्म्युला मिल्क बेहतर ऑप्शन है।

1-2 साल

इस उम्र के बच्चों को अधिक पोषक तत्वों की जरूर होती है, ताकि उनके शरीर को विकास तेजी से हो सकें। ऐसे में उनको कैल्शियम की अधिक जरूरत होती है। इस उम्र के बच्चों को फुल क्रीम मिल्क देना चाहिए और दिन में उसे 800-900 मिली दूध जरूरी है।

2-3 साल

2 या 3 साल के बच्चों को रोजाना दो कप दूध या इससे बनी चीजों का सेवन करवाएं क्योंकि इस उम्र में बच्चों को सिर्फ कैल्शियम ही नहीं, अन्य तत्वों की जरूरत भी होती है।

4-8 साल

अगर बच्चा 4 से 8 साल का है तो उसे रोजाना ढाई कप दूध पीने को दें। इसके अलावा बच्चे को दूध से बनी चीजें जैसे पनीर, दही अन्य आदि खाने को दें।

9 साल से ऊपर

9 साल से ऊपर के बच्चों के रोजाना करीब तीन कप दूध की जरूरत होती है। इससे बच्चे का शारीरिक और मासिक विकास तेजी से होता है।

टीनएजर्स बच्चे

टीनएजर्स बच्चों को रोजाना 3000 कैलरी की जरूरत होती है। इसके लिए उन्हें रोजाना 4 कप दूध और दूध से बनी चीजें दे। इससे उनकी हड्डियां भी मजबूत रहेगी।

वयस्कों के लिए

वयस्कों को टोंड या स्किम्ड मिल्क जरूर पीना चाहिए क्योंकि 1 गिलास फुल क्रीम दूध में 146 कैलरी, 8 ग्राम फैट होती है। इसके अलावा टोंड दूध में 102 कैलरी और 2 ग्राम सैचुरेटेड फैट होता है।

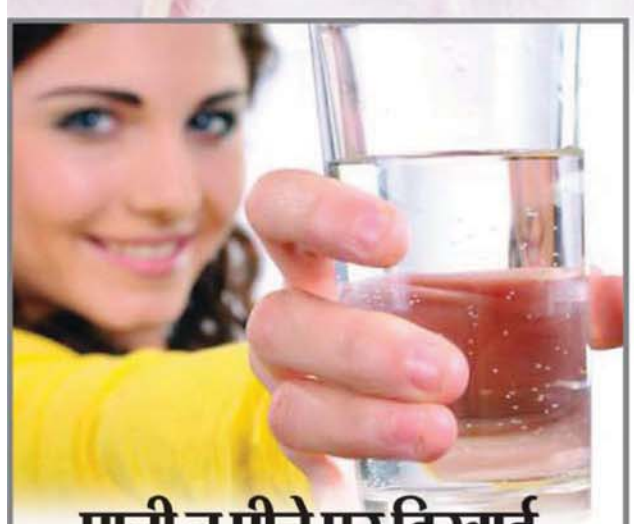

पानी न पीने पर दिखाई देते हैं ये संकेत

मनुष्य के लिए पानी बहुत जरूरी है। स्वस्थ शरीर के लिए गर्मियों में 10 से 12 गिलास और सर्दियों में 8 से 10 गिलास पानी पीना चाहिए। भोजन को पचाने, शरीर से विषैले पर्दाथों को बाहर निकालने और खून को साफ का कमा पानी करता है। कम मात्रा में पानी पीने से त्वचा, बालों और हैल्थ संबंधी बहुत सी समस्याएं होती है इसलिए इस समस्या से बचने के लिए ऐसे पदार्थों के सेवन करना चाहिए जिनमें पानी की भरपूर मात्रा हो। पानी की कमी होने पर शरीर हमें कुछ संकेत देता है। आज हम आपको उन्हीं संकेतों के बारे में बताएंगे। शरीर में पानी की कमी होने के संकेत

सिरदर्द और चक्कर आना

पानी की कमी होने से डिहाइड्रेशन की समस्या होने लगती है। इससे सिरदर्द ,चक्कर और उलटी आने लगती है।

स्किन ड्राइनेस

सर्दियों के मौसम में त्वचा का रूखा होने और होठों का फटना आम बात है लेकिन कुछ लोगों को हमेशा स्किन ड्राईनेस की समस्या रहती है। इसका कारण शरीर में पानी की कमी भी हो सकती है।

सांसो से दुर्गंध आना

कम पानी पीने से खाना अच्छे से नहीं पचता जिसके कारण मुंह से बंदबू आने लगती है। जिन लोगों की सांसों से दुर्गंध आती है उनको दिन में 10 से 12 गिलास पानी पीने चाहिए।

एसीडिटी

गैस का बनना, कब्ज रहना, ठीक से खाना न पचना जैसी समस्याएं पानी की कमी के कारण ही होती है। पांचन तंत्र ठीक न रहने से व्यक्ति तो स्वस्थ संबंधित बहुत सी समस्याएं होने लगती है।

जोड़ों और मांसपेशियों में दर्द

शरीर में पानी की कमी से जोड़ों में सूजन, गर्दन, हड़ियों और मांसपेशियों में दर्द होने लगता है। शरीर में पानी की कमी को दूर करके इन समस्याओं से राहत पाई जा सकती है।

दिल की धड़कन बढ़ना

अचानक दिल की धड़कन बढ़ना, घबराहट होना भी कम पानी पीने के संकेत है। शरीर में पानी की कमी न होने दे।

थकान और सुस्ती

थोड़ा सा काम करने पर थकान होना और हर वक्त सुस्ती रहना भी पानी की कमी के कारण होते है। जिन लोगों को हर वक्त थकान रहती है उनको अधिक से अधिक पानी पीना चाहिए।

दिन में कितना पानी पीएं

सुबह उठते ही 2 गिलास गुनगुना पानी पीना चाहिए। खाली पेट पानी पीने शरीर की गंदगी बहार निकल जाती है। नाशते, लंच, डिनर से 1 घंटे पहले और 1घंटे बाद में पानी न पीएं। दिन में ज्यादा पानी पीएं और जैसे ही शाम होने लगे पानी की मात्रा कम कर दें। सोने से पहले 3 घूंट पानी पीने से शरीर स्वस्थ रहता है।

शरीर में फाइबर की कमी होने पर खाएं ये आहार

शारीरिक विकास और स्वस्थ रहने के लिए फाइबर बहुत जरूरी है। यह भोजन को पचाने में सहायक है। इसकी कमी होने पर बावसीर, कोलेस्ट्रोल, कब्ज, शुगर लेवल बढ़ना जैसी अन्य समस्याओं का सामना करना पड़ता है। फाइबर युक्त भोजन का सेवन करने से कैंसर, मोटापा, दिल की बीमारियों से बचा जा सकता है। हर व्यक्ति को अलग-अलग मात्रा में फाइबर की जरूरत होती है। पुरूषों को दिन में 35 से 40 ग्राम और महिलाएं रोजाना 25 ग्राम फाइबर का सेवन जरूरी होता है। क्योंकि अधिक मात्रा में फाइबर खाने से कई बार शरीर को बहुत सी समस्याओं का सामना करना पड़ता है। आज हम आपको किन चीजों को खाने से फाइबर की कमी पूरी होती है उसके बारे में बताएंगे।

ओट्स - नाशते में ओट्स खाने से शरीर में फाइबर की कमी पूरी हो जाती है और सारा दिन एनर्जी बनी रहती हैं। आप इसका डोसा या उत्तपम बना कर भी खा सकते है। 100 ग्राम ओट्स में 17 ग्राम फाइबर होता है जो शरीर को स्वस्थ रखते है।

गेहूं - गेहूं से बनी चीजों का सेवन शरीर में फाइबर की कमी को पूरा करता है। इसके अलावा चकोर वाले आटे की रोटी खाने से भी शरीर को भरपूर फाइबर मिलता है।

फल - सेब, नाशपाती जैसे फलो में फाइबर होता है। इन को अच्छे से धो कर बिना छिलका उतारे खाएं क्योंकि फाइबर इनके छिलको में ही होता है।

ब्रोकली - विटामिन-सी, कैल्शियम और फाइबर के गुणों से भरपूर ब्रोकली को उबालकर या भूनकर भी खाने से कई बीमारियां दूर रहती हैं।

ड्राई फ्रूटस - ड्राई फ्रूटस, दहीं, सलाद और अनाज रोजाना एक मुठ्ठी सेवन कैंसर जैसी बीमारियों से बचाता है।

भुट्टा - एक भुट्टे में करीब 4 ग्राम फाइबर होता है। रोजाना 1 भुट्टे का सेवन शरीर में फाइबर की कमी को पूरा करता है।

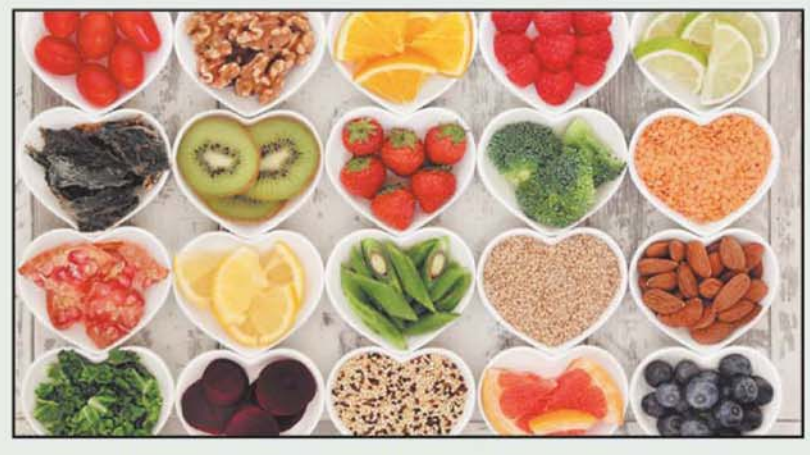

दिमाग को रखना हैं शांत तो ड्राई फ्रूट में खाएं सूरजमुखी के बीज

सूरजमुखी के फूल के बारे में तो आप सबने सुना होगा लेकिन इसके बीज भी सेहत के लिए बड़े ही फायदेमंद होते हैं। सूरजमुखी को एक औषधीय पौधा भी माना जाता हैं। इसके बीजों का इस्तेमाल ड्राईफूड के तौर पर भी किया जाता है। वहीं इसके तेल का इस्तेमाल भी बहुत ज्यादा किया जाता है। इसमें लिनोलिक एसिड, ओलिक एसिड, पामिटिक एसिड, विटामिन ई, डी और ए भी भरपूर मात्रा में पाया जाता है। आज हम आपको सूरजमुखी बीज के फायदे के बारे में बताते हैं। आइए जानिए फायदे -

दिमाग बनाए शांत

इसके बीजों में ट्रीप्टोफैन उच्च मात्रा में होने के कारण यह आपके दिमाग को शांत रखने में काफी मदद करता हैं। यह आपको माइग्रेन और स्ट्रेस से छुटकारा दिलाता हैं।

ह्रदय रोगों से बचाएं

सूरजमुखी के बीज में विटामिन ई भरपूर मात्रा में होने के कारण यह मनुष्य शरीर में कोलेस्ट्रॉल को कंट्रोल करके हार्ट अटैक आने से रोकते हैं। इसके बीजों में उच्च मात्रा में बीजाइन पाया जाता है, जो हाई ब्लड प्रेशर पर कंट्रोल पाता हैं।

पाचन क्रिया में मदद

इन बीजों में बड़ी मात्रा में फाइबर पाया जाता हैं। जो पेट की समस्याएं कब्ज, कैंसर और बवासीर जैसी बिमारियों से राहत देते हैं। इसके तेल की कुछ बूंदे दूध में डालकर पीने से कब्ज जैसी बीमारी से राहत मिल सकती हैं।

हड्डियों को रखे मजबूत

सूरजमुखी के बीजों में मैग्नीशियम भरपूर मात्रा में होने के कारण यह हमारी हड्डियों को मजबूत और लचीलापन लाते हैं। इसमें मौजूद मैग्नीशियम हड्डियों की सरंचना करने में मदद करता हैं।

अस्थमा से राहत

अन्य तेल की तुलना में सूरजमुखी के तेल में विटामिन ई की भरपूर मात्रा पाई जाती हैं। इसलिए आप इसके तेल में खाना बना कर अस्थमा जैसी बीमारी से बच सकते हैं।

पेट की सूजन को खत्म करते हैं ये घरेलू नुस्खें

पेट में इंफैक्शन होने पर सूजन, पेट फूलना, कब्ज और सूजन जैसी समस्याएं हो जाती है। इसके कारण आपको पेट में दर्द, मरोडें उठना, उल्टी, सर्दी लगना, कमजोरी और भूख ना लगना जैसी परेशानियों का सामना करना पड़ता है। इससे छुटकारा पाने के लिए आप कई तरह की दवाइयों का सेवन करते है लेकिन किसी से भी कोई खास फर्क नहीं पड़ता है। इसके अलावा ज्यादा दवाइयों का सेवन किडनी प्रॉब्लम का कारण भी बन सकता है। ऐसे में आप कुछ आसान से घरेलू उपाय करके पेट की इंफैक्श और सूजन की समस्या से छुटकारा पा सकते है। आज हम आपको पेट की सूजन को दूर करने के लिए कुछ ऐसे उपाय बता रहें है जिससे आपको 2-3 दिन में ही आराम मिल जाएगा। पेट की सूजन कम करने के घरेलू उपाय

लौंग

लौंग पेट में मौजूद छोटे-छोटे बैक्टीरिया तो जड़ से खत्म कर देता है। पेट की सूजन और दर्द से छुटकारा पाने के लिए रोजाना 2-3 लौंग या फिर इसके गर्म पानी का सेवन करें।

लहसुन

रोजाना खाली पेट 2-3 कच्ची लहसुन का सेवन पेट इंफैक्शन को खत्म करने में मदद करता है। इसके अलावा भोजन पकाते समय भी लहसुन का इस्तेमाल फायदेमंद होता है।

जौ का पानी

सूजन की समस्या से छुटकारा पाने के लिए 1 कप पानी में जौ उबाल कर उसमें छोड़ा-सा नींबू डालकर दिन में 2 बार पीएं।

नीम

पेट की सूजन और इंफेक्शन को दूर करने के लिए नीम सबसे अच्छा उपाय है। इसके लिए नीम की 5 पत्तियों को दिन में एक बार खाएं। इससे शरीर की सारी गंदगी यूरिन के रास्ते बाहर निकल जाएगी।

चावल का पानी

एक पैन में 1/2 कप सफेद चावल डाल कर 6 कप पानी में उबाल लें। इसे छान कर ठंडा कर लें। इसमें 1/2 चम्मच शहद और दालचीनी पाउडर मिलाकर मिक्स करके हर घंटे पीएं।

इन बातों का भी रखें ध्यान

- पेट की सूजन ज्यादातर फूड एलर्जी के कारण होती है। अधिक तला-भुना, फास्ट फूड, डिब्बाबंद आहार खाने से बचें, क्योंकि ये फूड एलर्जी का कारण बन सकते हैं।
- खाने को अच्छी तरह चबाकर न खाने से भी पेट में इंफैक्शन और सूजन की समस्या हो सकती है। इसलिए हमेशा भोजन आराम से और अच्छी तरह चबाकर करें। इससे खाना अच्छे से पचेगा और जन नहीं होगी।
- पेट की सूजन होने पर कार्बोनेटेड ड्रिंक्स का सेवन खतरनाक हो सकता है। इसकी बजाए आप नींबू पानी का सेवन कर सकते हैं। इसके अलावा ग्रीन टी, पिपरमिंट टी भी पेट की सूजन को कम करती है।
- शुगरयुक्त आहार का अधिक सेवन करने से बचें। डॉक्टरों के अनुसार दिन में 2-3 बार ही मीठा आहार ले सकते है।

किसानों के जीवन में खुशी और समृद्धि लाने हमारी सरकार लगातार कर रही काम : राजस्व मंत्री वर्मा

जिले के 157378 किसानों के खाते में 578 करोड़ से अधिक अंतर राशि अंतरित

बलौदाबाजार। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने बिलासपुर जिले के जनपद बिल्हा अंतर्गत ग्राम रहंगी में आयोजित राज्य स्तरीय कृषक उन्नति योजना अंतर्गत आदान सहायता राशि वितरण समारोह में धान की अंतर राशि 10324 करोड़ 84 लाख अंतरित कर किसानों को होली की सौगात दी।इसमें जिले के 157378 किसानों के 578 करोड़ 36 लाख रुपये शामिल है। इस समारोह से जिला ऑडिटोरियम बलौदाबाजार में आयोजित जिला स्तरीय कार्यक्रम के माध्यम से वर्चुअली जुड़े थे। जिला स्तरीय कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए राजस्व मंत्री टंकराम वर्मा ने कहा कि मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने प्रदेश के 25 लाख से अधिक अन्नदाताओं के मेहनत को सम्मान देते हुए उनके खाते में 10324 करोड़ से अधिक राशि अंतरित किया है। किसानों की खुशी और समृद्धि के लिये हमारी सरकार लगातार काम कर रही है। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार ने मोदी की अधिकांश गारंटी को पूरा किया है। इस अवसर पर 10 किसानों को स्प्रेयर पम्प, 8 मछुआ समितियों को जाल एवं 4 समितियो को आइस बॉक्स, 20 को पीएम किसान सम्मान निधि सम्मान पत्र प्रदान किया गया। सर्वाधिक अंतर राशि प्राप्त करने वाले 10 किसान- कृषक उन्नति योजना अंतर्गत सर्वाधिक राशि प्राप्त करने वाले जिले के 10 किसानों में दशरमा निवासी किसान पीताम्बर साहु उपार्जित धान की मात्रा 1517 क्विंटल, प्राप्त राशि 1109073 रुपये, नगरदा निवासी किसान टेक राम नायक उपार्जित धान की मात्रा 1297 क्विंटल प्राप्त राशि 948253 रुपये जर्वे निवासी किसान चैतन्य कुमार चंद्रवंशी उपार्जित धान की मात्रा 1141 क्विंटल प्राप्त राशि 834509 रुपये , गैतरा निवासी किसान सुरेश कुमार कन्नौजे उपार्जित धान की मात्रा 1124 क्विंटल, प्राप्त राशि 821936 रुपये, हिरमी निवासी किसान कामता प्रसाद फेकर उपार्जित धान की मात्रा 1122 क्विंटल, प्राप्त राशि 820182रुपये, मोहभट्ठा निवासी किसान शैलेश अग्रवाल उपार्जित धान की मात्रा 1116 क्विंटल, प्राप्त राशि 816380 रुपये, कुसमी निवासी किसान मुकेश कुमार वर्मा उपार्जित धान की मात्रा 1084 क्विंटल, प्राप्त राशि 792988 रुपये, ग्राम बोदा निवासी किसान आशीष कुमार अग्रवाल उपार्जित धान की मात्रा 1082 क्विंटल, प्राप्त राशि 790942 रुपये, ग्राम अकलतरा निवासी किसान अरविन्द यदु उपार्जित धान की मात्रा 1080 क्विंटल, प्राप्त राशि 789480रुपये एवं सुखरी निवासी किसान पीताम्बर उपार्जित धान की मात्रा 1051 क्विंटल, प्राप्त राशि 768719 रुपये शामिल हैं। इस अवसर पर जिला पंचायत अध्यक्ष आकांक्षा जायसवाल, कलेक्टर दीपक सोनी नगर पालिका अध्यक्ष, पूर्व विधायक प्रमोद शर्मा, भारत स्काउट गाइड के राज्य उपाध्यक्ष विजय केशरवानी सहित अन्य जनप्रतिनिधि एवं बड़ी संख्या में किसान बंधु उपस्थित थे।

मादा गौर शिकार मामले में दो और आरोपियों ने किया आत्मसमर्पण,शेष आरोपियों की तलाश जारी

बलौदाबाजार। वन परिक्षेत्र अर्जुनी अंतर्गत अक्टूबर माह में घटित मादा गौर शिकार प्रकरण में फरार चल रहे चार आरोपियों में से दो ने न्यायालय में आत्मसमर्पण किया, जहां से उन्हें जेल दाखिला कराया गया। इस मामले में पूर्व में तीन आरोपी पहले ही गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेजा गया था। उक्त घटना में वन्यजीव संरक्षण अधिनियम, 1972 के अंतर्गत गंभीर अपराध पंजीबद्ध किया गया था। घटना के पश्चात वन विभाग द्वारा निरंतर निगरानी, विशेष गश्त एवं मुखबिर तंत्र को सक्रिय रखते हुए आरोपियों की तलाश की जा रही थी। लगातार प्रयासों एवं सघन कार्रवाई के परिणामस्वरूप मुख्य आरोपी जगदीश चौहान एवं अभिमन्यु चौहान, दोनों निवासी बिलाड़ी, ने न्यायालय के समक्ष आत्मसमर्पण किया। प्रकरण में शेष फरार आरोपियों की तलाश जारी है और उनकी गिरफ्तारी के लिए विभागीय स्तर पर कार्रवाई जारी है। कार्रवाई में प्रशिक्षु सहायक वन संरक्षक गुलशन कुमार साहू, प्रशिक्षु वन क्षेत्रपाल रुपेश्वरी दीवान एवं डब्बू साहू शामिल रहे।

अल्ट्राटेक कुकुरदी सीमेंट संयंत्र ने किया विशाल चिकित्सा शिविर

बलौदाबाजार। अल्ट्राटेक कुकुरदी सीमेंट संयंत्र द्वारा निगमित सामाजिक उत्तरदायित्व (ष्टस्क) के तहत ग्राम पंचायत कुकुरदी में विशाल निःशुल्क चिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया। इस पहल का उद्देश्य ग्रामीणों को घर के पास गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएँ उपलब्ध कराना था। इकाई प्रमुख पवन कुलकर्णी के दिशा निर्देश तथा एचआर प्रमुख प्रतीक भटनागर के मार्गदर्शन में आयोजित इस शिविर में ग्राम पंचायत प्रतिनिधियों एवं चिकित्सक दल की महत्वपूर्ण भूमिका रही। शिविर का शुभारंभ सरपंच टिकेश्वर ध्रुव, उपसरपंच डोमार साहू, ढनढनी से सरपंच प्रतिनिधि रंजित ध्रुव, उपसरपंच भूपेन्द्र साहू तथा चिकित्सा टीम से डॉ साकेत मेहता (शिशु रोग विशेषज्ञ), डॉ. विभूति गहरेवाल (सामान्य रोग विशेषज्ञ), डॉ. शुभम साहू (हड्डी रोग विशेषज्ञ) और डॉ. देवेन्द्र गिरी (राम हॉस्पिटल प्रमुख) कृकी उपस्थिति में दीप प्रज्वलन के साथ किया गया। इस अवसर पर अल्ट्राटेक सीमेंट संयंत्र से भूमि एवं विधि विभाग के हरीश मेहतो एवं कार्तिकेश बघमार तथा सी एस आर प्रमुख राजेन्द्र कुशवाहा की उपस्थिती मे हुआ। आस पास के तीन ग्रामों से शिविर में 118 मरीजों ने स्वास्थ्य परीक्षण, परामर्श एवं दवाओं का लाभ प्राप्त किया। ग्रामीणों ने इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे शिविर उनके स्वास्थ्य के लिए अत्यंत लाभकारी सिद्ध होते हैं।

एक्स्ट्रॉर्डनरी क्लास वर्ल्ड स्कूल में छात्रों के दांतों का परिक्षण और होली मिलन समारोह संपन्न

बलौदाबाजार। स्थानीय एक्स्ट्रॉर्डनरी क्लास वर्ल्ड स्कूल में चंदा देवी तिवारी हास्पिटल के दंत चिकित्सकों द्वारा निःशुल्क दंत परिक्षण किया गया साथ हीहोली स्नेह मिलन समारोह भी किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में एस.डी.ओ. पी.अपूर्वा क्षत्रिय एवं विशिष्ट अतिथि के रूप में प्रसिद्ध चिकित्सक डॉ. गीतिका शंकर तिवारी एम डी स्त्रीरोग विशेषज्ञ संचालिका चंदा देवी तिवारी हास्पिटल ब.बा. ने शिरकत की। विद्यालय प्रबंधन द्वारा अतिथियों का पुष्पगुच्छ भेंट कर आत्मीय स्वागत किया गया। डेंटल चेकअप के दौरान डॉ. आकांशा ग्रेवाल और डॉ. आकृति यादव ने बच्चों के दांतों की बारीकी से जांच की। परामर्शः डॉक्टरों ने बच्चों को दिन में दो बार ब्रश करने और मीठे खाद्य पदार्थों के सेवन के बाद कुल्ला करने जैसी महत्वपूर्ण आदतें सिखाई। प्रेरणाः एस.डी.ओ.पी अपूर्वा क्षत्रिय ने विद्यार्थियों को संभल कर होली का त्योहार मनाने और अपने साथ घर वालों को भी सुखी एवं सुरक्षित होली खेलने का आग्रह करने को कहा। डा. गीतिका शंकर तिवारी ने बच्चों को संबोधित करते हुए कहा कि एक स्वस्थ शरीर में ही स्वस्थ मस्तिष्क का निवास होता है, इसलिए पढ़ाई के साथ-साथ स्वास्थ्य पर ध्यान देना भी अनिवार्य है। दांतों के परिक्षण के पश्चात स्कूल में होली का उत्सव मनाया गया। बच्चों ने अपने शिक्षकों और अतिथियों के साथ गुलाल लगाकर भाईचारे का संदेश दिया। इस दौरान पूरा परिसर 'होली है' के शोर और बच्चों की किलकारियों से गूंज उठा। विद्यालय के प्राचार्या डॉ एकता शुक्ला ने अतिथियों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि एक्स्ट्रॉर्डनरी स्कूल हमेशा से बच्चों के सर्वांगीण विकास के लिए प्रतिबद्ध रहा है। ऐसे आयोजनों से बच्चों में स्वास्थ्य के प्रति सजगता बढ़ती है और वे अपनी परंपराओं से भी जुड़ते हैं।शाला के संचालक अभिषेक तिवारी ने बच्चों को सिख देते हुवे कहा की स्वस्थ काया ही सर्वांगीण विकास का प्रतिक है वही शाला संचालक टूकेश्वर वर्मा ने बच्चों को होली की महत्ता बताते हुवे सुरक्षित होली खेलने की हिदायत दी। कार्यक्रम को सार्थक बनाने में शाला के सभी शिक्षक शिक्षिकाओं का महत्वपूर्ण योगदान रहा।

नवपदस्थ कलेक्टर कुलदीप शर्मा ने किया पदभार ग्रहण

बलौदाबाजार। जिले में नवपदस्थ कलेक्टर कुलदीप शर्मा ने संयुक्त जिला कार्यालय में विधिवत कार्यभार ग्रहण किया। शर्मा 2014 बैच के आईएएस अधिकारी हैं। इसके पूर्व रजिस्ट्रार सहकारी संस्थाएं, कलेक्टर बालोद एवं कलेक्टर कोरिया के रूप में पदस्थ रहे हैं। नवपदस्थ कलेक्टर शर्मा का अधिकारियों ने गुलदस्ता भेंट कर स्वागत किया। इसके पश्चात नवदस्थ कलेक्टर शर्मा ने उपस्थित अधिकारियो से परिचय प्राप्त किया। उन्होंने इस दौरान पीएम आवास योजना अंतर्गत आवास निर्माण की प्रगति, धान उठाव की प्रगति, राजस्व प्रकरणों का निराकरण आदि की जानकारी ली। उन्होंने टीम भावना के साथ बेहतर काम करने की अपेक्षा की। इस अवसर पर सीईओ जिला पंचायत दिव्या अग्रवाल, अपर कलेक्टर दीप्ति गौते, एआर टंडन सहित अन्य जिला अधिकारी उपस्थित थे।

53 वां श्री श्याम फाल्गुन महोत्सव

सरायपाली। सरायपाली नगर के अग्रवाल धर्मशाला के पास स्थित श्री श्याम दरबार में फाल्गुन माह के पावन अवसर पर 53वां श्री श्याम फाल्गुन महोत्सव बड़े ही धूमधाम और श्रद्धा के साथ आयोजित किया गया। फाल्गुन मास की शुक्ल पक्ष की एकादशी के दिन श्री श्याम प्रभु के भक्तों द्वारा भव्य निशान यात्रा एवं भजन संध्या का आयोजन किया गया। श्री श्याम दरबार को फलों, और मालाओं से विशेष रूप से सजाया गया था। इत्र की सुगंध से पूरा प्रांगण भक्तिमय वातावरण में महक उठा। निशान यात्रा संध्या 5 बजे अनिल मूलचंद अग्रवाल के निवास स्थान (विनायक विहार कॉलोनी, बस्ती सरायपाली) से प्रारंभ हुई। यात्रा में वाद्य यंत्रों की मधुर धुनों के साथ बड़ी संख्या में महिलाएं, पुरुष एवं बच्चे हाथों में बाबा का निशान और गुलाल लिए भजन गाते एवं होली खेलते हुए शामिल हुए। जय श्री श्याम के जयघोष से संपूर्ण वातावरण भक्तिमय हो उठा। निशान यात्रा बस स्टैंड,उड़िया पारा चौक एवं अग्रसेन चौक होते हुए श्री श्याम दरबार पहुंची। रात्रि में भव्य भजन संध्या का आयोजन किया गया, जिसमें स्थानीय प्रसिद्ध भजन गायक मोहन कुमार शर्मा, दीपक शर्मा एवं अन्य कलाकारों ने एक से बढ़कर एक भजन प्रस्तुत किए।

बलौदा बाजार में बढ़ती चोरियों से व्यापारियों में आक्रोश, कल्पना वस्त्रालय में दूसरी बार चोरी का प्रयास

बलौदाबाजार। शहर की सब्जी मंडी एवं मंडी रोड क्षेत्र में लगातार हो रही चोरियों से व्यापारियों में भारी रोष व्याप्त है। बीती रात मंडी रोड स्थित कपड़ा दुकान कल्पना वस्त्रालय में चोरों ने दूसरी बार चोरी का प्रयास किया। अज्ञात चोरों ने दुकान का ताला तोड़ने तथा शटर पट्टी को उखाड़ कर चोरी करने की भरपूर कोशिश की गई किंतु किसी कारण कर अपने मकसद में नाकाम हो गए कोशिश की, हालांकि पूरी तरह सफल नहीं हो पाए। कुछ दिन पूर्व मंडी रोड नितिन गुप्ता के गुप्ता किराना स्टोर में चोरी हुई थी जिसका अभी तक कोई सुराग नहीं मिला है चेंबर ऑफ कॉमर्स के अध्यक्ष लक्ष्मी साहू ने गंभीरता से लेते हुए व्यापारिक संघ के साथ थाना सिटी कोतवाली में पहुंचकर मामले में उचित कार्रवाई करने की मांग की है साथ ही व्यापारियों ने पुलिस की अगस्त मोटरसाइकिल के माध्यम से करने की मांग की है चेंबर के सदस्य दिल्ली प्रोग्राम शंकर दुलानी मुकेश अरोड़ा शिव प्रकाश तिवारी दुर्गा प्रसाद जायसवाल राजेश अरोड़ा ईश्वर हरीमनी अंबु पंजवानी वीरेंद्र अरोड़ा आदि लोग थाना जाकर उचित कार्रवाई की मांग की। व्यापारियों का कहना है कि पिछले कुछ समय से बाजार क्षेत्र में चोरी की घटनाएं लगातार बढ़ रही हैं। हर दो-तीन दिन में किसी न किसी दुकान के ताले टूट रहे हैं, जिससे व्यापारी वर्ग भय और असुरक्षा के माहौल में व्यापार करने को मजबूर है। स्थानीय व्यापारियों ने आरोप लगाया कि पुलिस गश्त नाम मात्र की रह गई है। कई बार शिकायत देने के बावजूद ठोस कार्रवाई नहीं हो पा रही है। व्यापारियों का कहना है कि मंडी रोड पर पुलिस चौकी खोलने की घोषणा पहले की जा चुकी है, लेकिन अभी तक चौकी का निर्माण या संचालन शुरू नहीं हुआ है। व्यापारी संघ के सदस्यों ने प्रशासन से मांग की है कि मंडी रोड पर तत्काल पुलिस चौकी स्थापित की जाए,रात्रि गश्त बढ़ाई जाए, सीसीटीवी कैमरे लगाने में सहयोग दिया जाए, पूर्व में हुई चोरियों का खुलासा कर आरोपियों को गिरफ्तार किया जाए, यदि शीघ्र ठोस कदम नहीं उठाए गए तो व्यापारी वर्ग आंदोलन करने को बाध्य होगा। फिलहाल पूरे बाजार क्षेत्र में दहशत का माहौल है और लोग प्रशासन से सुरक्षा की ठोस व्यवस्था की अपेक्षा कर रहे हैं।

होली पर्व सभी नागरिक शांति, सौहार्द्र और सुरक्षित वातावरण में

धमतरी। कलेक्टर अबिनाश मिश्रा के निर्देशानुसार इंडियन रेडक्रॉस सोसायटी धमतरी, जय छत्तीसगढ़ महतारी महिला सेवा संगठन, वरदान परमार्थ सेवा समिति, जननी सेवा संगठन एवं फ्रीडम फिजिकल एकेडमी जैसी समाजसेवी संस्थाओं द्वारा नशामुक्ति, सड़क सुरक्षा, जल बचाव-जीवन बचाव तथा स्वच्छता को लेकर घड़ी चौक में जनजागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम के दौरान आने.जाने वाले नागरिकों को जागरूकता के माध्यम से समझाईश दी गई कि आगामी होली पर्व को शांति, सौहार्द्र और सुरक्षित वातावरण में मनाएं। विशेष रूप से नशे से दूर रहने, वाहन सावधानीपूर्वक चलाने, पानी की अनावश्यक बर्बादी न करने तथा अपने आसपास स्वच्छता बनाए रखने का संदेश दिया गया। संस्थाओं के प्रतिनिधियों ने कहा कि त्योहार खुशियों और भाईचारे का प्रतीक है। अतः इसे जिम्मेदारी और संयम के साथ मनाना हम सभी की नैतिक जिम्मेदारी है। सभी नागरिकों से अपील की गई कि वे नशे से दूर रहकर सुरक्षित और स्वच्छ होली मनाएं तथा समाज में सकारात्मक संदेश फैलाएं। इस अवसर पर आकाश गिरी गोस्वामी, शिवा प्रधान, एल के साहू, मोहनी साहू, ऋतु प्रधान, भावना मरकाम, मंजू टेमरे, भारती सोनी, डॉ गणेश प्रसाद साहू, शेष नारायण गजेन्द्र, खोमन लाल साहू, शत्रुघन पांडे, लय चंद्राकर, होमेश्वर प्रसाद चंद्राकर द्वारा गीत, नारा लगा लोगों को जागरूक किया।

ओमेश यादव बने भाजयुमो महामंत्री, मिल रही बधाईयां

धमतरी। विश्व की सबसे बड़ी पार्टी का दर्जा प्राप्त भारतीय जनता पार्टी में छोटे से छोटे कार्यकर्ता को भी उसके नेतृत्व क्षमता के अनुरूप पद से नवाजा जाता है। यही कारण है कि भाजपा के प्रति खासकर युवाओं का रूझान लगातार बढ़ते जा रहा है। कुछ दिनों पहले भाजयुमो, भाजपा जिलाध्यक्ष प्रकाश बैस द्वारा युवा मोर्चा सहित अन्य प्रकोष्ठों के कार्यकारिणी की घोषणा की गई है जिसमें भाजयुमो जिला महामंत्री के रूप में युवा तुर्क ओमेश यादव को यह जिम्मेदारी सौंपी गई है। यादव की इस नियुक्ति से युवाओं में जबरदस्त उत्साह है। इनका कहना है कि ओमेश जैसे युवा को महामंत्री बनाये जाने से पार्टी के नेतृत्व को इसका लाभ मिलेगा। इनके नेतृत्व में युवाओं की फौज भाजपा की रीति नीति से प्रभावित होकर पार्टी की सदस्यता लेंगे। भारतीय जनता युवा मोर्चा द्वारा संगठन को और अधिक मजबूत एवं सक्रिय बनाने के उद्देश्य से युवा नेतृत्व को महत्वपूर्ण जिम्मेदारियां सौंपी जा रही हैं। इसी क्रम में ग्राम रत्नाबांधा निवासी ओमेश यादव को भारतीय जनता युवा मोर्चा का जिला महामंत्री नियुक्त किया गया है। ओमेश लंबे समय से सामाजिक एवं संगठनात्मक कार्यों में सक्रिय भूमिका निभाते आ रहे हैं। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद में विभिन्न दायित्वों का निर्वहन किया है। एबीवीपी में कार्य करते हुए वे जिला संयोजक के पद पर रहकर पूरे जिले का नेतृत्व कर चुके हैं। उनके नेतृत्व में संगठन विस्तारए छात्र हितों के मुददों का समाधानए जागरूकता अभियान तथा अनेक शैक्षणिक एवं सामाजिक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। एबीवीपी में कार्यकाल के दौरान बड़ी संख्या में छात्र-युवाओं को संगठन से जोड़ने का कार्य किया। संगठन के प्रति समर्पण भाव को देखते हुए भारतीय जनता युवा मोर्चा के नेताओं ने ओमेश यादव को महामंत्री का दायित्व दिया।

बीईओ हुए रिटायर्ड, जयंत साहू बने बीईओ पीएमश्री आत्मानंद स्कूल में विदाई समारोह

डोंगरगांव नगर। विकासखंड शिक्षा अधिकारी बतौर कार्यरत आर एल पात्रे सेवानिवृत्त हो गए हैं। अब एबीईओ जयंत साहू विकासखंड शिक्षा अधिकारी होंगे। श्रीपात्रे ने लगभग 7 वर्षों तक डोंगरगांव में सेवाएं दी। उनके सम्मान में संकुल स्तरीय विदाई एवं सम्मान समारोह आयोजित कर भावभीनी विदाई दी गई। पीएमस्वामी आत्मानंद अंग्रेजी माध्यम स्कूल के सभाकक्ष में आयोजित विदाई एवं सम्मान समारोह में विकास खण्ड शिक्षा अधिकारी आरएल पात्रे को शॉल व श्रीफल से सम्मानित कर जीवनोपयोगी सामग्री भेंट की गई। इस मौके पर पात्रे की धर्मपत्नि, पुत्र, पुत्री एवं दामाद भी सम्मिलित हुए। समारोह में सम्मिलित समस्त शिक्षक व शिक्षिकाओं ने पात्रे के सरल, सहज, मिलनसार व हंसमुख स्वभाव को सभी के लिए अनुकरणीय बताया। इस दरम्यान शिक्षक साहू ने वायलिन के माध्यम से संगीतमयी विदाई दी। शिक्षिका शर्मा के द्वारा गीत के माध्यम से विदाई दी। इस दरम्यान पात्रे भावुक हो उठे। उक्त अवसर पर सहायक विकास खण्ड शिक्षा अधिकारी जयंत साहू, सहायक विकास खण्ड शिक्षा अधिकारी किशन देशमुख, बीआरसी अरविंद कुमार रत्नाकर, प्राचार्य बीएल देवांगन, उमा हरिवंश, संकुल समन्वयक देवेन्द्र किशोर साहू व डामन साहू सहित संकुल 1 व 2 के समस्त प्रधान पाठक एवं शिक्षक शिक्षिकाएं के अलावा समस्त पीटीआई उपस्थित थे।

'चिरायु टीम' जिले में बच्चों के लिए वरदान साबित हो रही है

दल्लीराजहरा। राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम के अंतर्गत संचालित 'चिरायु टीम' जिले में बच्चों के लिए वरदान साबित हो रही है। हाल ही में जिले के गुण्डरदेही विकासखण्ड के ग्राम बेलौदी के 02 वर्षीय बालक भावेश साहू को जन्मजात हृदय रोग से मुक्ति दिलाकर नया जीवन प्रदान किया गया है। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी ने बताया कि 12 जून 2025 को चिरायु टीम जब बेलौदी के आंगनबाड़ी केंद्र क्रमांक 04 में स्वास्थ्य परीक्षण के लिए गई थी, तब वहां निरंजन साहू के पुत्र भावेश (उम्र 02 वर्ष) की जांच की गई। शुरुआती जांच में टीम को बच्चे की धड़कन असामान्य और उम्र के अनुसार शारीरिक विकास भी कम पाया गया। काउंसलिंग के बाद बच्चे को जिला अस्पताल बालोद भेजा गया, जहाँ शिशु रोग विशेषज्ञ ने जन्मजात हृदय रोग की पुष्टि की। उन्होंने बताया कि कलेक्टर दिव्या उमेश मिश्रा के मार्गदर्शन में उच्च स्तरीय उपचार हेतु बच्चे को श्री सत्य साई हॉस्पिटल रायपुर रेफर किया गया। इस दौरान इको जांच में पता चला कि बच्चे के दिल के निचले दो कक्षों के बीच छेद था और धमनियों के बीच एक अतिरिक्त रक्तवाहिका खुली हुई थी, जिससे फेफड़ों और दिल पर अत्यधिक दबाव बढ़ रहा था। उन्होंने बताया कि बच्चे के आपरेशन के लिए 10 फ रवरी को बुलाया गया तथा 19 फरवरी को भावेश का सफल आपरेशन किया गया। इसके साथ ही 26 फरवरी को अस्पताल से डिस्चार्ज किया गया। उन्होंने बताया कि सर्जरी के बाद भावेश अब पूरी तरह स्वस्थ है और उसका हृदय सामान्य रूप से कार्य कर रहा है। बच्चे के माता-पिता ने इस सफल उपचार के लिए जिला प्रशासन और स्वास्थ्य विभाग का आभार व्यक्त किया है। इस पूरे मिशन में चिरायु टीम के डॉ. रीतिप्रभा बेलचंदन, आयुष चिकित्सा अधिकारी डॉ. इंद्र चंद्राकर, ऋषि चतुर्वेदी, नितिन एंड्रयूज और याद साहू का सराहनीय योगदान रहा। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी ने बताया कि चिरायु टीम का लक्ष्य जिले के हर बच्चे तक पहुँचकर उन्हें जन्मजात विकारों से मुक्त करना है।

स्वामी, मुद्रक व प्रकाशक संजय तिवारी द्वारा असमा पब्लिशर्स इंडिया प्राइवेट लिमिटेड, ग्रास मेमोरियल सेंटर के बाजू, जयस्तंभ चौक, रायपुर (छ.ग.)-492001 से मुद्रित करवाकर व गदा चौक, फरीद नगर रोड स्वर्गीय तुलाराम मेमोरियल स्कूल के पास सुपेला भिलाई, जिला- दुर्ग (छ.ग.) पिन कोड-490023 से प्रकाशित। संपादक : संजय तिवारी, मो. 9200000214 (समाचार चयन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार), समस्त विवादों का निपटारा न्यायलीन क्षेत्र दुर्ग होगा। Email : loktantraprahrinews@gmail.com